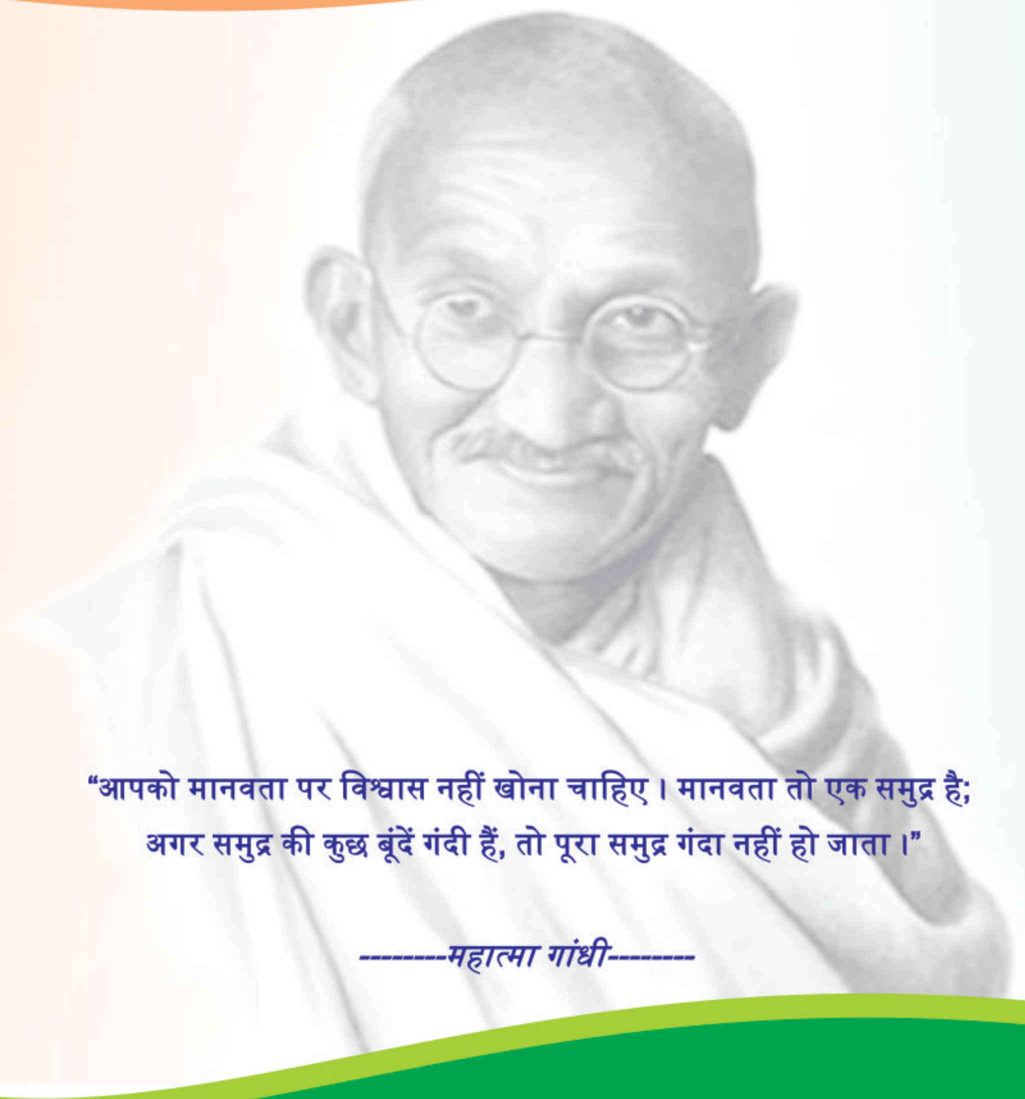

"आपको मानवता पर विश्वास नहीं खोना चाहिए। मानवता तो एक समुद्र है;
अगर समुद्र की कुछ बूंदें गंदी हैं, तो पूरा समुद्र गंदा नहीं हो जाता।"

--------महात्मा गांधी--------

कलाकल

2015

आंध्र प्रदेश भू - स्थानिक आंकड़ा केन्द्र

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

हैदराबाद - 500039, तेलंगाना

कलाकल

वार्षिक अंक -2015

संरक्षक	कर्नल एस.श्रीधर राव, निदेशक
संपादक मंडल	श्री के.के.गुप्ता, अधीक्षक सर्वेक्षक डॉ नीलम कुमार बिड़ला, अभिलेखपाल श्रीमती ई.मालिनी,क.हि.अनुवादक
मुद्रण कार्य/कंप्यूटर सेटिंग/ मुख्य पृष्ठ सृजन	श्री बी.एच.राव,अधीक्षक सर्वेक्षक श्री आर.वी.रघु, सर्वेक्षण सहायक श्री एम.वासुदेव, सहायक

कृपया ध्यान दें : इस पत्रिका में व्यक्त विचार लेखकों के अपने विचार हैं।
यह आवश्यक नहीं कि संपादक इन विचारों एवं दावों से सहमत हो|
पत्रिका बिक्री के लिए नहीं केवल आंतरिक परिचालन के लिए |

अनुक्रमणिका

क्रम संख्या	विषय /रचनाएँ	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
1	संदेश	राजेन्द्र मणि त्रिपाठी भारत के महासर्वेक्षक	
2	संदेश	मेजर जनरल एम. मोहन अपर महासर्वेक्षक	
3	संदेश	कर्नल एस.श्रीधर राव निदेशक	
4	संपादक की कलम से	के.के.गुप्ता अधीक्षक सर्वेक्षक/राजभाषा अधिकारी	
5	तकनीकी परियोजनाएं (वर्ष 2014-15)	तकनीकी अनुभाग	1
6	प्रशिक्षण / कोर्स(विभागीय)	तकनीकी अनुभाग	9
7	प्रशिक्षण / कोर्स (हिन्दी)	तकनीकी अनुभाग	9
8	सम्मेलन / प्रशिक्षण	तकनीकी अनुभाग	10
9	शिक्षुता	तकनीकी अनुभाग	10
10	वर्ष 2014-15 के लिए मानदेय से पुरस्कृत कर्मचारियों की सूची	लेखा एवं आहरण अनुभाग	11
11	पदोन्नत कर्मचारियों की सूची	पत्राचार अनुभाग	13
12	स्थानांतरण पर तैनात कर्मचारियों की सूची	पत्राचार अनुभाग	14
13	स्थानांतरित कर्मचारियों की सूची	पत्राचार अनुभाग	15
14	सेवा निवृत्त/स्वैच्छिक सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों की सूची	पत्राचार अनुभाग	16
15	भंडार का प्रापण	भंडार अनुभाग	17
16	अनुपयोगी सामान की नीलामी	भंडार अनुभाग	17
17	वर्ष 2014-15 के लिए निधि का आबंटन /व्यय	लेखा एवं आहरण अनुभाग	18

क्रम संख्या	विषय /रचनाएँ	रचनाकार	पृष्ठ संख्या
18	न्यायालय में लंबित मामले	गोपनीय अनुभाग	19
19	एम ए सी पी के मामले	गोपनीय अनुभाग	19
20	हिन्दी सप्ताह समरोह	हिन्दी अनुभाग	21
21	मनोरंजन क्लब का वार्षिकोत्सव	मनोरंजन क्लब	27
22	स्मृति-शेष	लेखा एवं आहरण अनुभाग	32
23	सेवा-पंजी का अंकीयकरण	लेखा एवं आहरण अनुभाग	33
24	आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आँकड़ा केन्द्र के अधिकारियों / कर्मचारियों के बच्चे जिन्होंने शैक्षणिक निपुणता दिखाई है।	डाटा अर्जन स्कन्ध,विशाखपट्टनम	33
25	सोचे और विचार करे	मन्नु राम	34
26	आंध्र प्रदेश नूतन राजधानी "अमरावती" के निर्माण में भारतीय सर्वेक्षण विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका	के.वी.रमण मूर्ति	35
27	सपनों का भारत, सच्ची लगन,नारी-तुम हो सबसे न्यारी,सच्चा मित्र	शेक. महबूब पीरा	37-38
28	स्वच्छ भारत अभियान	हिन्दी अनुभाग	39
29	रोगों का आमंत्रण है अप्राकृतिक भोजन	डॉ. नीलम कुमार बिड़ला	42
30	अच्छी आदत	सी.एन.गेडाम	44
31	मेरा भारत महान	चिन्ना कोंडय्या	44
32	बार कोड वाले पी.वी. सी पहचान-पत्रों की तैयारी	आर.वी. रघु	45
33	भारत के मजबूत कूटनीतिक संबंध और भौगोलिक प्रभाव	एम. राकेश	47
34	गज़ल	डॉ. नीलम कुमार बिड़ला	48

राजेन्द्र मणि त्रिपाठी
RAJENDRA MANI TRIPATHI
भारत के महासर्वेक्षक
Surveyor General of India

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय,
हाथीबड़कला एस्टेट, पोस्ट बॉक्स नं० 37,
देहरादून--248001 (उत्तराखण्ड), भारत
SURVEY OF INDIA
Surveyor General's Office,
Hathibarkala Estate, Post Box No. - 37,
Dehradun -248001, (Uttarakhand), India

संदेश

आन्ध्र-प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र का प्रतिनिधित्व करने वाली गृह-पत्रिका "कलाकल' के प्रकाशन पर मुझे असीम आंनद की अनुभूति हो रही है। यह एक सराहनीय प्रयास है, इससे हैदराबाद जैसे अहिन्दी क्षेत्र में हिन्दी के प्रचार - प्रसार में वृद्धि के साथ-साथ सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करने की प्रेरणा एवं प्रोत्साहन मिलेगा।

मैं इस अंक के सफल प्रकाशन हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ, और आशा करता हूँ कि इसका प्रकाशन निरंतर चलता रहेगा।

(राजेन्द्र मणि त्रिपाठी)
भारत के महासर्वेक्षक

Tel : 00-91-135-2744268 / 2747051-58 Extn. 4350 E-Mail :sgi.soi@gov.in Fax: 00-91-135-2744268 / 2744064

ØðîÜÃðóÚð çðãðíêðÂð òãðØðð±ð

SURVEY OF INDIA

¡ÑðÜ Ùðèðçðãðíêð¨î ¨îð ¨îðÚððíâðÚð

ADDL. SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

ÇòêðÂðó êðíëð/ **SOUTHERN ZONE**

¨îðÜÙð±ðâðð, ×ð±ðâðÞ/**KORAMANGALA BANGALORE**

संदेश

14 सितम्बर 1949 को भारत के संविधान ने देवनागरी लिपी वाली हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया था। तभी से यह हिन्दी- दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मेरे लिए यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि आन्ध्र-प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, हैदराबाद, हिन्दी दिवस के अवसर पर अपनी हिन्दी गृह- पत्रिका 'कलाकल' का विमोचन करने जा रहा है।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका के प्रकाशन से कार्यालय में हिन्दी में काम- काज करने का वातावरण बनेगा और हिन्दी के प्रयोग में उन्नति होगी।

पत्रिका के उज्जवल भविष्य के लिए मेरी शुभकामनाएं।

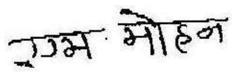

मेजर जनरल एम. मोहन

अपर महासर्वेक्षक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग
SURVEY OF INDIA
निदेशक का कार्यालय
OFFICE OF THE DIRECTOR
आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र
Andhra Pradesh Geo-Spatial Data Centre
उप्पल, हैदराबाद-500 039(ते)
Uppal, Hyderabad- 500 039(T)

निदेशक महोदय की कलम से..............

हिन्दी भारत की राजभाषा है तथा उसे यह दर्जा संविधान द्वारा प्रदत्त है क्योंकि भारत में सर्वाधिक बोली व समझी जाने वाली भाषा का गौरव केवल हिन्दी को ही प्राप्त है। एक भारतीय होने के नाते यह हमारा परम कर्तव्य व उत्तरदायित्व है कि हिन्दी भाषा का प्रयोग दिन – प्रतिदिन के कार्यों में विशेष अभिरूचि लेते हुए किया जाए।

राजभाषा हिन्दी के सभी आदेशों का पालन करना हम सबका कर्तव्य है। इस कर्तव्य की पूर्ति व हिन्दी में कार्य करने में कर्मचारी झिझक का अनुभव न करें इसके लिए हाल ही में हिन्दी शिक्षण योजना द्वारा आरंभ किए गए "पारंगत" पाठ्यक्रम में कुल 22 कर्मचारियों को नामित किया गया। हिन्दी के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से इस वर्ष चार हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन करने का भी प्रस्ताव है ।

राजभाषा प्रयोग को बढ़ाने की दिशा में यह अत्यन्त सराहनीय विषय है कि कर्मचारियों को हिन्दी पठन-पाठन एवं लेखन में रूचि लाने के उद्देश्य से आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र प्रत्येक वर्ष हिन्दी पत्रिका 'कलाकल' प्रकाशित कर रही है।

पत्रिका प्रकाशन में किसी भी रूप से संबंधित कर्मचारियों को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ। अंत में आप सभी को हिन्दी -दिवस की शुभकामनाएँ देता हूँ।

एस. श्रीधर राव

(कर्नल एस.श्रीधर राव)
निदेशक

संपादक की कलम से ---------

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारे केन्द्र में हिन्दी के प्रयोग को निरंतर गतिमान बनाए रखने में इस केन्द्र के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के अथक प्रयास की परिणति "कलाकल" पत्रिका के माध्यम से मुखरित हो रही है । इस पत्रिका का उद्देश्य कदापि साहित्यकारों की उत्पत्ति न होकर, अपने हृदय के भावों को पृष्ठ पर अंकित करने का एक प्रयास है ।

हमने इस पत्रिका को रोचक, मनोरंजक, ज्ञानवर्धक बनाने हेतु भरसक प्रयत्न किया है और आशा है कि यह आपको अवश्य पसंद जाएगी ।

शुभकामनाओं सहित ।

(कल्यान कुमार गुप्ता)
अधीक्षक सर्वेक्षक/राजभाषा अधिकारी

तकनीकी परियोजनाएं (वर्ष 2014-15)

क्रम संख्या	परियोजना	अर्जित राजस्व	टिप्पणी
1	बी ई एल परियोजना,मछलीपट्टनम	रु. 1,83,000/-	परियोजना संपूर्ण की गई ।
2	आंध्र प्रदेश राज्य राजधानी शहर सर्वेक्षण	रु. 2,41,87,432/-	मांगकर्ता से राशि प्रतीक्षित है। कार्य प्रगति पर है ।
3	ई सी आई एल परियोजना	रु. 69,700/-	भारत के महासर्वेक्षक से अनुमोदन प्राप्त हुआ है ।परियोजना संपूर्ण की गई ।
4	बुर्गमपाड़ परियोजना कार्य	रु. 16,62,000/-	भारत के महासर्वेक्षक से अनुमोदन प्राप्त हुआ है । मांगकर्ता से राशि प्रतीक्षित है ।
5	चित्तूर के समीप डी आर डी ओ परियोजना	...	माँगकर्ता- रक्षा मंत्रालय, आर एण्ड डी संगठन, सी.सी.ई (आर एण्ड डी)
6	गार्ला आरक्षित वन सीमांकन सर्वेक्षण	रू. 14,73,400/-	आंशिक रूप में राशि प्राप्त हुई है ।
7	नियम निष्ठ तलेक्षण के आधार पर तेलंगाना राज्य में तलेक्षण नेट वर्क का डेंसिफीकेशन	-	विभागीय, रेकी कार्य पूर्ण किया गया ।
8	एम. ओ. टी. आर (MOTR) परियोजना,शर श्रीहरिकोटा	-	भारत के महासर्वेक्षक से अनुमोदन प्राप्त हुआ है । मांगकर्ता से राशि प्रतीक्षित है ।
9	ग्रेटर हैदराबाद गाइड़ मैप	-	विभागीय
10	समाकलित तटीय क्षेत्र प्रबंध परियोजना (ICZM)	-	विभागीय
11	राष्ट्रीय शहरी सूचना प्रणाली	-	विभागीय
12	आंध्र प्रदेश कर्नाटक सीमा विवाद	-	विभागीय

इसके अलावा, सितम्बर 2014 से अगस्त 2015 तक आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के मानचित्र विक्रय कार्यालय से विभिन्न प्रकार के मानचित्रों के विक्रय द्वारा विभाग को रु. 16,09,977/- का राजस्व प्राप्त हुआ ।

परियोजनाओं का सारांश निम्न प्रकार से विवरित है :-

<u>बी ई एल परियोजना</u>   भारतीय सेना के साधन डिजीटल चुम्बकीय कम्पास की परिशुद्धता को माँगकर्ता जाँच करना चाहता है । इस प्रयोजन के लिए जी पी एस उपकरण के प्रयोग से कुछ स्थिति/ स्थल या बियारिंगस का पर्यवेषन किया गया है । माँगकर्ता से   परियोजना की लागत रू.1,83,000/- प्राप्त हुई है और आबंटित कार्य समय पर पूर्ण किया गया है । माँगकर्ता को डाटा की आपूर्ति की गई है ।

ट्रिंबल जी.पी.एस 5700 एवं अंकीय लेवल द्वारा क्षैतिज एवं ऊर्ध्व नियंत्रण का प्रावधान किया गया । सर्वेक्षण का कुल मूल्य रू.1,83,000/- था एवं मांगकर्ता से पूर्ण भुगतान प्राप्त कर लिया गया । समय सीमा के अंदर कुल 10 जी. पी. एस बिंदु, 50 कि.मी.की दोहरी तृतीय श्रेणी तलेक्षण (DT Levelling) एवं 15 कि.मी. का मालारेखण (Traversing) कार्य पूर्ण किया गया ।

<u>आंध्र प्रदेश राज्य राजधानी शहर सर्वेक्षण</u> : गुंटुरू जिले के मंगलगिरि/ तालुरू/ अमरावती गाँवो के आस-पास में ए ओ आर (220 वर्ग कि.मी) पड़ते हैं और विजयवाड़ा के समीप कृष्णा नदी के दक्षिणी दिशा में स्थित है । आंध्र प्रदेश सरकार ने इस क्षेत्र को राज्य की राजधानी के रूप में घोषित किया है । भारत के महासर्वेक्षक से अनुमोदित है। मांगकर्ता से राशि प्रतीक्षित है, किंतु कार्य प्रगति पर है ।
सर्वेक्षण 1:5,000 के पैमाने पर किया जाना है जिसमें समोच्च अन्तराल 1 मीटर होगा।

अंतर्निहित विभिन्न स्थितियाँ इस प्रकार है ।
जी पी एस पर्यवेषण एवं डी टी तलेक्षण कार्य - आबंटित कार्य संपूर्ण किया गया ।

- डिजीटल फोटोग्रामितीय
- डिजीटल क्रार्टोग्राफी
- जमीनी सत्यापन
- अंतिम डी टी डी बी

कुल लागत : रू. 2,41,871,432/-

ई सी आई एल , आर.सी.आई, हैदराबाद :

जी पी एस प्रणाली के आधार पर 7.5 मी. व्यास के उच्च गति ऐंटेना का टू नार्थ चिह्नित करना ।परियोजना की लागत रू.69,000/- । भारत के महासर्वेक्षक द्वारा अनुमोदित । कार्य प्रगति पर है ।

एम. ओ. टी. आर (MOTR) परियोजना,शर श्रीहरिकोटा :

इसरो – एस. डी एस सी शर पर जी पी एस का प्रयोग कर स्टेशन के एम एस एल और जमीनी तल से स्टेशन की ऊँचाईयों को एम. ओ. टी. आर स्टेशन के जियो-निर्देशांकों की आवश्यकता । एम. ओ. टी. आर टोहीकरण हेतु एक अधिकारी को नियुक्त किया गया है ।

बुर्गमपाड़ जलमग्न क्षेत्र परियोजना- परियोजना क्षेत्र की ए ओ आई(ऐच्छिक क्षेत्र) 10 वर्ग कि.मी है । क्षेत्र भद्राचलम शहर के दक्षिणी पश्चिमी दिशा में पड़ता है । सर्वेक्षण 1: 5,000 पैमाने पर समोच्च अंतराल 1 मीटर में किया जाना है ।

विभिन्न चरण है :-

1. जी पी एस पर्यवेक्षण व डिजीटल तलेक्षण ।
2. डिजीटल फोटोग्रामितीय
3. डिजीटल क्रार्टोग्राफी
4. जमीनी सत्यापन
5. अंतिम डी.टी.डी.बी

चित्तूर के समीप डी आर डी ओ परियोजना:

डी. आर. डी. ओ परियोजना के लिए समोच्च रेखा मानचित्रण एवं प्रस्तावित भूमि के ग्रिड स्तर की आवश्यकता है । परियोजना भारत के महासर्वेक्षक से अनुमोदित है । योजना जारी है । माँगकर्ता से तकनीकी विषयों पर विचार विमर्श करने के लिए प्रतिनिधि को प्रतिनियुक्त करने का अनुरोध किया गया है ।

पुरानी परियोजनाएं

1. **बुड़ामीरू प्रमुख नाली सर्वेक्षण:** 0.00 किलो मीटर से 25.00 किलो मीटर की लंबाई की नाली के मापन का सर्वेक्षण किया गया है । मांगकर्ता से राशि की गैर अदायगी के कारण सर्वेक्षण का कार्य लंबित है ।

2.**गार्ला आरक्षित वन सीमांकन सर्वेक्षण :** मांगकर्ता से राशि की गैर अदायगी के कारण सर्वेक्षण का कार्य रोका गया है । आंशिक रूप में राशि प्राप्त हुई है ।

3.**ग्रेटर हैदराबाद गाइड़ मैप**:कार्य पूर्ण किया गया और दिसंबर 2014 में प्रकाशित किया गया

4. **नियम निष्ठ तलेक्षण के आधार पर तेलंगाना राज्य में तलेक्षण नेट वर्क का डेंसिफीकेशन:** रेकी कार्य पूर्ण किया गया । आगे की कार्रवाई जी एवं आर बी, देहरादून के कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी ।

5. **<u>समाकलित तटीय क्षेत्र प्रबंध परियोजना (ICZM)</u> :** केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत, समाकलित तटीय प्रबंध समिति (SICOM) द्वारा इस परियोजना को लिया गया है ।

<u>परियोजना का उद्देश्यः-</u>

डेल्टा क्षेत्रों को छोड़ 7 कि.मी. की चौड़ाई के साथ कन्याकुमारी से बंगलादेश सीमा तक भारतीय तट रेखा के पार्श्व में 2400 कि.मी.   की तय दूरी का 1:10,000 के पैमाने पर मानचित्र बनाना ।

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र द्वारा   अंतिम अनुमोदन   के पश्चात   20 उप-खंडों में पड़ने वाले सारे नक्शों का मुद्रण किया जाएगा । यह प्रक्रिया दिसंबर 2015 तक समाप्त होनी है ।

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ए.ओ.आर के सभी उप-खंडों के रिक्त – स्थानों को मेसर्स जियोडीस को प्रस्तुत किया गया है । विजयवाड़ा -2, (ईडुरूमोगा), विजयवाड़ा -3 (लंका वेणीडिब्बा) के उप –खडों के रिक्त स्थान जो की पूरी तरह से दलदली है उनके गेप ऐरिया का सर्वेक्षण नहीं किया जा सकता है । आई. एम. यू डाटा के प्रयोग से इन खंडों के ए. टी को पूरा करना है । अपर महासर्वेक्षक, दक्षिणी क्षेत्र एवं परियोजना निदेशक , आइ सी जेड़ एम   इस कार्य हेतु अनुमति ली गयी है ।

अभी तक मेसर्स जियोडीस भर्नो, हैदराबाद उत्पादन केन्द्र, ने नेल्लूरू(तिरूपति -02) के क्षैतिज एवं उध्र्वाधर नियंत्रण को प्रस्तुत किया है । आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र ने नेल्लूरू उप- खंडों की दोष-सुधार रिपोर्ट प्रस्तुत की है । इसके अतिरिक्त   मेसर्स जियोडीस द्वारा दिए गए निविदा का 75% कार्य पूरा करना है परंतु लगभग 5% काम ही पूरा कर पाया है ।

केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के अंतर्गत, समाकलित तटीय प्रबंध समिति (SICOM) द्वारा इस परियोजना को लिया गया है ।

6**. <u>राष्ट्रीय शहरी सूचना प्रणाली</u>** <u>(NUIS)</u> :   अंतिम एट्रिब्यूट डाटा दर्ज करने हेतु राज्य नोडल एजेंसियों (एस. एन. ए)से प्राप्त न हुए शहरों पर विचार करने, “आंतिरिक उपयोग के लिए और राज्य नोडल एजेंसियों (एस.एन.ए)द्वारा पुनरीक्षण के लिए नहीं ” की एक टिप्पणी के साथ यह कार्य 1:10,000 के पैमाने पर भारत के महासर्वेक्षक के पत्रांक -248/1147-NUIS/Coll 23 द्वारा समाप्त कर दिया गया है ।

अंत में, कुल 152 शहरों से 83 शहरों को सभी प्रकार से पूरा किया है शेष 69 शहरों को उपरोक्त टिप्पणी के साथ प्रस्तुत करना है । इसी में चरण –I में, 1:10,000 पैमाने पर राष्ट्रीय शहरी सूचना प्रणाली (NUIS) कार्य अंतिम चरण पर आ गया है ।

जहाँ तक आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र का विषय है राज्य नोडल एजेंसियों (एस. एन. ए) को 1:10 के एवं 1:2 के पैमाने पर 5 शहरों के अंतिम डाटा (यर्थात् आदिलाबाद, नलगोंडा, धर्मावरम,

मदनापल्ले, ताडेपल्लीगुडेम) राष्ट्रीय शहरी सूचना प्रणाली (NUIS) को प्रस्तुत किया गया। श्रीकाकुलम गेप एरिया (1.25K) की हार्ड कॉपी संशोधन हेतु एस एन ए, ए.पी को भेज दी गई। संशोधित डाटा का प्राप्त होना शेष है।

7. **<u>अंतर्राज्यीय आंध्र प्रदेश - कर्नाटक सीमा विवाद :</u>**, आंध्र प्रदेश के अंनतपुर जिले एवं कर्नाटक राज्य के बेल्लारी की मध्य विवादित क्षेत्र का सर्वेक्षण। भारत के महासर्वेक्षक से निदेश प्राप्त होने के बाद सर्वेक्षण का कार्य शुरू किया जाएगा।

<u>अन्य विविध कार्य :</u> उपरोक्त परियोजना कार्यों के अलावा, इस भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र ने वर्ष 2014-15 के लिए निम्नलिखित कार्यों की जिम्मेदारी ली है।

I. डॉ. स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक द्वारा 1:20,000 के पैमाने पर ग्रेटर हैदराबाद गाइड मानचित्रों का XXXIV इनका अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस, हैदराबाद में उद्घाटन किया गया।

II. तेलुगु में, ओ.एस.एम शीट (सं.E44M7) का डॉ. स्वर्ण सुब्बा राव, भारत के महासर्वेक्षक द्वारा XXXIV इनका अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस, हैदराबाद में उद्घाटन किया गया।

III. 95 शीटों का 1:50,000 के पैमाने पर ओ.एस.एम. रूपान्तरण।

IV. 555 शीटों का 1:25,000 के पैमाने पर जी. आई एस आधार पर गुणवत्ता विश्लेषण एवं गुणवत्ता नियंत्रण।

V. 1:1 एम के पैमाने पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों की नक्शों की तैयारी।

VI. 1:25,000 के पैमाने पर 227 शीटों का हवाई सर्वेक्षण खंडों का अंकीयकरण (असर्वेक्षित) ।

VII. 1:20,000 के पैमाने पर तीन –(विशाखपट्टनम, विजयवाड़ा, तिरूमला -तिरूपति)के नगर निर्देशिका का अंकीयकरण।

VIII. तेलुगु भाषा में हैदराबाद ओ.एस.एम शीटों का अद्यतन (सं. E44M6, E44M7, E44M10, E44M11)।

IX. **<u>वर्ष 2015 के टी टी टी ए टोपो ट्रेनी टाइप 'ए' की भर्ती</u>** - आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र युवा और गतिशील कर्नल एस.श्रीधर राव, निदेशक, के नेतृत्व एवं समान रूप से प्रेरित दो अधीक्षक सर्वेक्षक श्री बी.एच.राव तथा श्री के.के.गुप्ता के सहयोग के अधीन भारतीय सर्वेक्षण विभाग के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जीडी सी है । इस जी डी सी द्वारा उठाए गए चुनौतीपूर्ण कार्य के अलावा, वर्ष 2015 के टी टी टी 'ए' टोपो ट्रेनी 'ए' टाइप की भर्ती अपनी तरह का एक ऐसी घटना है जो 13 सक्षम अभ्यर्थियों को इस विभाग के परिवार में लाने के लिए सभी स्तर और समूहों के कर्मचारियों को एक साथ लाकर, विभिन्न स्तरों पर संपूर्ण शाक्ति को झोंककर प्रयास किया गया।

दिसंबर 2014 के महीने में इस प्रक्रिया का शुभारंभ हुआ, जब हमारे विभागीय मुख्य भारत के महासर्वेक्षक ने पूरे भारत में टी टी टी 'ए' पद के लिए 117 अभ्यार्थियों की भर्ती करने के लिए आदेश दिया। आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने इस आदेश का अनुपालन करते हुए कर्नल एस.श्रीधर राव, निदेशक, की अध्यक्षता के अंतर्गत एक संचालन समिति का गठन किया और भर्ती की प्रक्रिया शुरू की।

स्थानीय समाचार -पत्रों में भर्ती के लिए बहुत बड़े पैमाने पर विज्ञापन, स्थानीय रोजगार कार्यालयों में जी डी सी के स्थानीय संचालन के संपर्क और इनके अतिरिक्त लोगों ने सामाजिक मीडिया पर भी भर्ती की सूचना दी गई । इन प्रयासों ने 6564 अभ्यार्थियों में राजगार के अवसर की आशा जगाई और आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र में लिखित रूप में पोस्ट एवं व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत किया। डाक विभाग के डाकिया द्वारा की गई कड़ी मेहनत सराहनीय है चूँकि इस जीडीसी ने इस देश के अभ्यार्थियों में उम्मीद जगाकर सरकार की सेवा करने के लिए उनके साथ खुशी साझा की है जिसे बहुत जल्द ही वास्तविकता में किया जाना है।

कार्य विशाल होने के कारण व हर अभ्यर्थी निष्पक्ष रूप से अपनी योग्यता दिखाए इस इरादे से निदेशक आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने विभिन्न् केडर के समर्पित एवं ईमानदार कर्मचारियों को विशिष्ट निर्देश के साथ भारत के महासर्वेक्षक के निर्देश के क्रम में प्रत्येक आवेदन को मैन्युअल रूप से स्कैन करवाया। निदेशक आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र की दृष्टि में मानवीय त्रुटि व गलती के तत्व असहनीय था, इस प्रकार दो महीने की अवधि में हर आवेदन को अधिक से अधिक चार -चार बार जाँच किया।

अंत में एक कठोर और पूरी जाँच के बाद 718 अभ्यार्थियों को जिन्होंने ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग के दिशा निर्देश के अनुसार अपनी पढ़ाई में उच्च प्रतिशत प्राप्त किया है, को 10 मई 2015 को स्क्रीनिंग परीक्षा के लिए बुलावा पत्र भेजा गया। इन 718 अभ्यर्थियों लिखित परीक्षा हेतु स्थान देने के लिए आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ने परिसर के आस - पास विभिन्न विभागों/निदेशालयों से संपर्क किया परन्तु विभिन्न कारणों से अपेक्षित स्थल नहीं मिला। ऐसी स्थिति में कर्नल एस.श्रीधर राव, निदेशक/अध्यक्ष ने व्यक्तिगत रूप से आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र ब्लॉक के खाली कमरों को देखा और आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के परिसर में 718 अभ्यार्थियों को स्थान देने के लिए कमरों को चुना और कार्यालय के भीतर ही सरकार को अतिरिक्त खर्च के बिना फर्नीचर से युक्त परीक्षा हाल की व्यवस्था की।

परन्तु, लिखित परीक्षा आयोजित करने के लिए आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र द्वारा किए गए बड़े प्रयासों के बावजूद भी केवल 371 अभ्यर्थी परीक्षा देने के लिए आए । यहाँ हम देख सकते हैं कि 50 % अनुपस्थित अभ्यर्थियों की वजह से बाकी के 50% अभ्यर्थियों को लाभ हुआ जो कि प्रतियोगिता की डिग्री को नियंत्रण में रखा । परीक्षा और साक्षत्कार की एक श्रृंखला के बाद संचालन समिति ने सर्वक्षेष्ठ 13 अभ्यर्थियों का चयन किया और चयनित सूची को नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित किया गया ।

इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल समिति और कर्मचारियों के लिए हर्ष का पल वह था जब एक अभ्यर्थी जिसका नाम श्री बी. रामन जो कि अनुसूचित जन - जाति से एवं बहुत की गरीब आदिवासी परिवार से है, चयनित सूची में अपना नाम देखने के बाद आँखों में आँसू के साथ खुशी से उछल पड़ा। इसे देखकर उपस्थित कर्मचारियों की आँखों में भी आँसू आ गए और हर एक इस भर्ती प्रक्रिया में किए गए कठिन कार्य के लिए संतोष व गौरव का अनुभव कर रहे थे।

इस प्रकार यह घटना आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के इतिहास में यादगार घटना है जिसे इस जी डी सी के हर अधिकारी और कर्मचारी द्वारा याद किया जाएगा। (ए.शैलेश,प्रवर श्रेणी लिपिक,गोपनीय अनुभाग द्वारा)

X. **पेंशन अदालत -** आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 08.04.2015 को 11.30 बजे पेंशन अदालत आयोजित की गई । जिसमें निम्नलिखित कार्मिक उपस्थित थे ।

1. श्री. के.के. गुप्ता, अधीक्षक सर्वेक्षक	-	अध्यक्ष
2. श्री.टी. महाराणा, अधिकारी सर्वेक्षक	-	सदस्य
3. श्री. एम.श्रीनिवास, सहायक	-	सदस्य
4. श्रीमती वयी.मंगला, सहायक लेखा अधिकारी (क्षेत्रीय वेतन और लेखा कार्यालय)	-	सदस्य

श्री पी.सी. बोरोले, अधिकारी सर्वेक्षक (सेवा निवृत्त) एवं डी. रघुरामुलु, मुख्य मानचित्रकार (सेवा निवृत्त) ने अदालत में उपस्थित होकर डी सी आर जी बकाया की प्राप्ति न होने के संबध में शिकायत की। श्रीमती वयी.मंगला, सहायक लेखा अधिकारी, क्षेत्रीय वेतन और लेखा कार्यालय ने कहा कि कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण अदायगी में विलंब हुई है जो यथाशीघ्र निपटाया जाएगा ।

श्रीमती सालाम्मा खलासी (सेवा निवृत्त) ने अदालत में उपस्थित होकर एन. पी. एस पेंशन प्राप्त न होने के सबंध में शिकायत की । इस पर क्षेत्रीय वेतन और लेखा कार्यालय के कार्मिक ने कहा कि एन. पी. एस

पेंशन, एन. एस. डी. एल द्वारा निपटाया जाना चाहिए और यह मामला दिल्ली / मुंबई के उच्च स्तर में विचाराधीन हैं।

श्रीमती वयी.मंगला, सहायक लेखा अधिकारी, क्षेत्रीय वेतन और लेखा कार्यालय ने सुझाव दिया कि उप्पल परिसर में स्थित भारतीय सर्वेक्षण विभाग के प्रत्येक कार्यालय के लिए अलग- अलग अदालत आयोजित करने के अलावा एक ही दिन, एक पेंशन अदालत का आयोजन किया जाना चाहिए ।

XI. **वर्ष 2014-2015 में मुद्रित मानचित्रों की सूची :**

1. चौबीस ओ.एस. शीटें – 1:50,000 पैमाने पर ।
2. तेलंगाना राज्य मानचित्र – 1: 1M पैमाने पर ।
3. हैदराबाद गाइड मैप – 1:20,000 पैमाने पर।
4. दो ओ.एस. एम शीटें – 1:25,000 पैमाने पर ।
5. दो डी. एस. एम शीटें – 1:50,000 पैमाने पर ।

XII. **अंकीय फोटोग्रमितीय एवं मानचित्रण स्कंध का उद्घाटन -** भारत के महासर्वेक्षक ने 03-09-2015 को अपने आंध्र प्रदेश भू - स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के दौरे पर अंकीय फोटोग्रमितीय एवं मानचित्रण स्कंध का उद्घाटन किया। इस स्कंध को नवीनीकृत किया गया और 18 डेल सिस्टमों में लाइका फोटोग्रमितीय सूट 2013 साफ्टवेर लोड किया गया व इन्हें फोटोग्रमितीय कार्य के लिए समर्पित किया गया।

प्रशिक्षण / कोर्स(विभागीय)

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र से निम्नलिखित अधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग के भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान में विभिन्न कोर्सों में प्रशिक्षण दिलवाया गया।

क्रम सं	**अधिकारी का नाम(श्री/श्रीमती)**	**कोर्स संख्या**	**विषय**
1	आर.खंडई	710	अड्वान्स फोटोग्रमितिय एवं रिमोट सेन्सिंग
2	के. श्रीनिवास राव	एम.एस सी	भू.स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (2013 से)
3	पी.रवि किरण	एम.एस सी	भू.स्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (2013 से)

प्रशिक्षण / कोर्स(हिन्दी) (पारंगत- जुलाई 2015 से नवंबर 2015 तक)

(हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, सिकंदराबाद द्वारा आयोजित)

कर्मचारी का नाम(श्री/श्रीमती)

1. पी.के प्रतिभा
2. एम. यादि रेड्डी
3. एम. श्रीनिवास
4. एन. शैलजा
5. सी. प्रवीणा
6. सी.एच. तिरूपतय्या
7. एम. शैलजा रानी
8. एस. सतीश
9. एम. वासुदेव
10. एन. वल्लि कल्याणी
11. एम. सबिता
12. ए. शैलेश
13. एम. लक्ष्मण कुमार
14. बी.नागरत्नम,
15. जे.बालाजी राठोड़
16. जी. शेखर,
17. एम.विजय कुमार,
18. बी.राजन बाबू,
19. के. वेंकटेशवरलु,
20. पी. इमाम कासिम
21. बी. रामकृष्णा,
22. रजिया बेगम

सम्मेलन / प्रशिक्षण

- दिनांक 02.12.2014 से 04.12.2014 तक मैसर्स इंटर ग्राफ एस जी और इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एल पी एस / एर्डास इमेजीन सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण एवं अधिष्ठापन दिया गया।
- 25 जुलाई 2014 को दिल्ली में विभिन्न विभागों में सरकारी साइटों की साइबर सुरक्षा पर लक्षित हमलों की प्रवृत्ति और मिटिगेशन पर आयोजित कार्यशाला में आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र के कर्मचारियों ने भाग लिया।
- सी आर आई डी ए, हैदराबाद में दिनांक 12.08.2014 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में राजभाषा अधिकारी, आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र ने भाग लिया।
- आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र से कर्मचारियों ने दिनांक 19.11.14 एवं 20.11.14 को हैदराबाद में आयोजित जीआईएस दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। एक मानचित्र बिक्री काउंटर वहाँ स्थापित किया गया था।
- दिनांक 09.12.14 से 12.12.14 तक हैदराबाद में परिचालन रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शनी स्टॉल स्थापित किया है।
- निदेशक, आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र ने दिनांक 16 दिसंबर 2014 से 18 दिसंबर तक हैदराबाद में आयोजित 34 वें इनका (INCA)अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में भाग लिया।
- दिनांक 19.01.2015 से 23.01.2015 तक डब्ल्यु पी जी (WPG) पर निर्देशक, आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र ने जी. एस. ओ.आइ, नई दिल्ली में आयोजित भारतीय सर्वेक्षण विभाग के पुनर्गठन और विकास संगठन के लिए प्रस्ताव को अंतिम रूप देने से संबंधित बैठक में भाग लिया।
- निर्देशक, आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र ने दिनांक 10.02.15 से 12.02.15 तक हैदराबाद में आयोजित भारत भू-स्थानिक फोरम में भाग लिया और एक नक्शा बिक्री काउंटर भी लगाया गया ।
- जी. आइ. टी. ए. एम विश्वविद्यालय, हैदराबाद परिसर में इलेक्ट्रॉनिक टोटल स्टेशन और जी पी एस प्रयोग पर व्याख्या देने एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।
- आं.प्र. भू स्था. आं.केन्द्र ने 19.11.2014 से 20.11.2014 तक हैदराबाद में आयोजित जी आई एस-दिवस कार्यशाला में भाग लिया।

शिक्षुता

- बी. टेक (सिविल इंजीनियरिंग) , वी. एन. आर. विज्ञनान ज्योति इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग अंड टेक्नालाजी के पाँच विद्यार्थियों ने आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र द्वारा 26 दिन के लिए दिनांक 01-06-2015 से 26-06-2015 तक आयोजित मॉडर्न सर्वेक्षण एवं मानचित्रण तकनीकी में समर इंटर्नशिप, अनुपादी परिवेश में सफलता पूर्वक पूर्ण किया।
- दिनांक 18.11.2014 से 21.11.2014 तक 229 बटालियन सी आर पी एफ, कोरापुट, ओडिशा में सर्वेक्षण और मानचित्रण पर सी. आर. पी.एफ कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2014-15 के लिए मानदेय से पुरस्कृत कर्मचारियों की सूची

क्रम सं	नाम श्री/श्रीमती/ कुमारी	पदनाम
1	डी. एस. मेहर	अधिकारी सर्वेक्षक
2	आर. एम. महापात्रा	अधिकारी सर्वेक्षक
3	सी. एच. रामलिंगम	अधिकारी सर्वेक्षक
4	सुमित भद्रा	सर्वेक्षक
5	आर. वी. सत्यनारायणा	सर्वेक्षक
6	ए. शंकरय्या	मानचित्रकार डि.I
7	एस पेंटा रेड्डी	मानचित्रकार डि.I
8	के. मधुसूधन रेड्डी	भंडार सहायक
9	बी. वेंकटेश्वरा राव	सर्वेक्षण सहायक
10	एम. सी. सिदय्या	पटल चित्रकार ग्रेड II
11	एम. के. मेहबूब पीरा	पटल चित्रकार ग्रेड II
12	सी. अनिल कुमार	पटल चित्रकार ग्रेड IV
13	एन. शैलेजा	सहायक
14	बी. राजन बाबू	सहायक
15	सी. प्रवीणा	सहायक
16	एम. लक्ष्मण कुमार	सहायक
17	पी. माचेरला	खलासी
18	एस के मेहबूब	खलासी
19	के. अकय्या	खलासी
20	बालेश्वर राम	खलासी
21	पी. हुसेनय्या	खलासी
22	एम. बाबू	खलासी
23	विजय राम	खलासी
24	पी. मिलिन्द कुमार	खलासी
25	बिन्दा देवी	खलासी
26	बी. स्वामी	खलासी
27	सत्यम्मा	खलासी

क्रम सं	नाम श्री/श्रीमती/ कुमारी	पदनाम
28	डब्ल्यू. मानिख्य्यमा	खलासी
29	वयी. के. राकेश कुमार	खलासी
30	डी. वेंगलय्या	खलासी
31	बी. शांता	खलासी
32	जगन मोहन	खलासी
33	पुल्लम्मा	खलासी

पदोन्नत कर्मचारियों की सूची

म सं	नाम श्री/ श्रीमती	पदनाम	पदोन्नति की तिथि	जिस पद पर पदोन्नत हुए
1	सत्यभामा त्रिपाठी	मानचित्रकार डिविजन -I	11.12.2014	मुख्य मानचित्रकार
2	बी.नागय्या	दफतरी	23.12.2014	जमादार
3	अनिल कुमार	पटल चित्रक ग्रेड -IV	01.01.2015	पटल चित्रक ग्रेड -III
4	एम. विजय कुमार	पटल चित्रक ग्रेड -IV	01.01.2015	पटल चित्रक ग्रेड -III
5	शेख रहमत बाशा	अवर श्रेणी लिपिक	08.04.2015	प्रवर श्रेणी लिपिक
6	डी.श्रीधर	अवर श्रेणी लिपिक	06.04.2015	प्रवर श्रेणी लिपिक
7	बी. नागरत्नम	अवर श्रेणी लिपिक	15.04.2015	प्रवर श्रेणी लिपिक
8	सी.एन. गेडाम	सर्वेक्षण सहायक	19.05.2015	अधिकारी सर्वेक्षक
9	एम. राजेश्वर	सर्वेक्षण सहायक	19.05.2015	अधिकारी सर्वेक्षक

स्थानांतरण पर तैनात कर्मचारियों की सूची

क्रम सं	नाम श्री/ श्रीमती	पदनाम	स्थानांतरण की तिथि	स्थानांतरण	
				से	को
1	के.वी.रमणामूर्ति	अधिकारी सर्वेक्षक	18.09.2014	हिमाचल प्रदेश भू.स्था. आं. केंद्र, चण्डीगढ़	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
2	एम शैलजा रानी	आशुलिपिक ग्रेड -III	14.08.2014	म. एवं गोवा भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद स्कन्ध	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
3	एस. रवि	टी.टी.टी"ए"	18.09.2014 (अपराह्न)	भौ. सू.प. एवं सु. सं. निदेशालय, हैदराबाद	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
4	टी. सुब्बारायडु	दफादार	02.01.2015 (अपराह्न)	दक्षिणी मुद्रण वर्ग	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
5	शेख रहमत बाशा	प्रवर श्रेणी लिपिक	08.04.2015	भारतीय प्रशिक्षण एवं मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
6	एम. विजय कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	06.05.2015	आर. जी. डी.सी., जयपुर (आबू विंग)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद
7	चन्द्र मोहन	प्रवर श्रेणी लिपिक	15.05.2015	भारतीय प्रशिक्षण एवं मानचित्रण संस्थान, हैदराबाद	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद

स्थानांतरित कर्मचारियों की सूची

क्रम सं	नाम श्री/श्रीमती/ कुमारी	पदनाम	स्थानांतरण की तिथि	स्थानांतरण	
				से	को
1	डी. श्रीधर	अवर श्रेणी लिपिक	24.10.2014	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	भा. स. एवं प्र. सं, हैदराबाद
2	अमित कुमार	टी.टी.टी.'ए'	14.10.2014	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	भा. स. एवं प्र. सं, हैदराबाद
3	नारायण पैटल	अधिकारी सर्वेक्षक	16.01.2015 (अपराह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	उड़ीसा जी डी सी, भुवनेश्वर
4	एस. एन.बाग	अधिकारी सर्वेक्षक	21.01.2015 (अपराह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	उड़ीसा जी डी सी, भुवनेश्वर
5	एल.एस. शंकर राव	कार्यालय अधीक्षक	14.01.2015 (अपराह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	भा. स. एवं प्र. सं, हैदराबाद
6	शेक बादुल्ला	अवर श्रेणी लिपिक	09.04.2015 (अपराह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	भा. स. एवं प्र. सं, हैदराबाद
7	चन्द्रपाल	प्रवर श्रेणी लिपिक	01.06.2015 (पूर्वाह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	तमिलनाडु एवं अ. भू.स्था. आं. केंद्र, चेन्नई
8	सी. साम्भशिव राव	एम. टी. डी	10.07.2015 (अपराह्न)	आं. प्र. भू.स्था. आं. केंद्र, हैदराबाद	डी. ए. डब्लयू वी, विशाखपट्टमन

सेवा निवृत्त/स्वैच्छिक सेवा निवृत्त हुए कर्मचारियों की सूची

क्रम सं.	नाम श्री/श्रीमती/ कुमारी	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि	टिप्पणी
1	जी.एल.एन. शेषाद्री	कार्यालय अधीक्षक	31.12.2014	सेवा निवृत्त
2	आर.एन.त्रिपाठी	अधीक्षक सर्वेक्षक	31.01.2015	सेवा निवृत्त
3	सत्यभामा नायक	स्थापना एवं लेखा अधिकारी	31.01.2015	सेवा निवृत्त
4	एस.ऐसय्या	दफादार	31.03.2015	सेवा निवृत्त
5	एम. पदमावती	सफाईवाला	31.03.2015	सेवा निवृत्त
6	एस. परमेशवर राव	कार्यालय अधीक्षक	30.04.2015	सेवा निवृत्त
7	के. अप्पा राव	खलासी	30.04.2015	सेवा निवृत्त
8	जे. सुब्बा राव	अधिकारी सर्वेक्षक	31.05.2015	सेवा निवृत्त
9	श्रीमती सूर्यप्रभा	मानचित्रकार	31.05.2015	सेवा निवृत्त
10	एस. महबूब	जमादार	31.05.2015	सेवा निवृत्त
11	शेख मेहबूब	दफादार	31.05.2015	सेवा निवृत्त
12	एम. रमेश बाबू	मानचित्रकार	30.06.2015	सेवा निवृत्त
13	एस.त्रिमूर्तिलु	एम.टी.डी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
14	एस.अप्पल राजू	एम.टी.डी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
15	बी.नागय्या	जमादार	30.06.2015	सेवा निवृत्त
16	बी. रसूल साब	खलासी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
17	बालेश्वर राव	खलासी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
18	बी. काशाय्या	खलासी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
19	एम. ओबय्या	खलासी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
20	बी. स्वामी	खलासी	30.06.2015	सेवा निवृत्त
21	बी. वी. राव	भंडार सहायक	31.08.2015	सेवा निवृत्त
22	पी. हुसैन	मानचित्रकार	31.08.2015	सेवा निवृत्त
23	कालेश्वर	खलासी	31.08.2015	सेवा निवृत्त
24	एन.एल्ला राव	खलासी	31.08.2015	सेवा निवृत्त

भंडार का प्रापण

क्रम सं	**सामग्री**	**भंडार**
1.	एच.पी.स्कैन जेट	01
2.	एच.पी.स्कैन प्रोफेशनल 300052	01
2.	डाट मैट्रिक्स प्रिंटर	03
3.	जिरोक्स मशीन	01
4.	यू.पी.एस	01

अनुपयोगी सामान की नीलामी

इस वर्ष निम्नलिखित अनुपयोगी सामान की नीलामी की गई जिसमें इस कार्यालय को रू. 4,74,556/- की आमदनी हुई।

क्रम सं	**सामग्री**	**मूल्य**
1.	स्क्राइबिंग उपकरण	रू.20,889/-
2.	फर्नीचर आइटम	रू.65,829/-
3.	फोटोग्रामीतीय उपकरण	रू.1,01,889/-
4.	कम्प्यूटर, प्रिंटर एवं प्लाटर	रू.35,889/-
5.	उपकरण (गौण सर्वेक्षण उपकरण)	रू.2,50,000/-

तदनुसार, अनुपयोज्य भंडार की अनुपयोगी हेतु नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है। इसमें वाहन, फर्नीचर, कम्प्यूटर आइटम शामिल हैं।

वर्ष 2014-15 के लिए निधि का आवंटन / व्यय

शीर्ष	स्वीकृत अनुदान (हजारों में)	अतिरिक्त निधि की माँग/प्राप्ति (हजारों में)	भा.के.म.सर्वे. द्वारा काटी गई (हजारों में)	इस कार्यालय द्वारा अभ्यर्पण	अंतिम बजट अंक (रूपयों में)	व्यय (रूपयों में)	31-3-2014 को शेष राशि (रूपयों में)
वेतन	121274000	…..	…..	….	121274000	121116983	157017
मजदूरी	610000	…..	…..	…..	610000	609998	2
ओ टी ए	……	…..	…..	…..	……	…..	…..
चिकित्सीय	1540000	…..	…..	…..	1540000	1524272	15728
डी टी ई	1807000	…..	…..	…..	1807000	1804457	2543
ओ ई	1377000	…..	…..	…..	1377000	1376520	480
आर आर.टी	…..	…..	…..	…..	…..	…..	…..
ओ ई.ए	5000	…..	…..	…..	5000	4992	08
एस&एम	270000	…..	…..	…..	270000	269208	792
पी सेवा	296000	…..	…..	…..	296000	295637	363
अनुदान	19400	…..	…..	…..	19400	19350	50

न्यायालय में लंबित मामले

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय

लंबित मामले	08
समाप्त केसों की संख्या	01

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण, हैदराबाद

केसों की संख्या	07
समाप्त केसों की संख्या	03
लंबित केसों की संख्या	04

एम. ए. सी. पी के मामले

निम्नलिखित अधिकारियों/कर्मचारियों के एम.ए. सी. पी.मामलों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग को भेजा गया है/ निपटारा किया जा चुका है ।

क्रम सं	ग्रुप 'ए' राजपत्रित श्री/श्रीमती	पदनाम
1	बी.एच.राव	अधीक्षक सर्वेक्षक
2	के.के.गुप्ता	अधीक्षक सर्वेक्षक

क्रम सं	ग्रुप 'बी' राजपत्रित श्री/श्रीमती	पदनाम
1	पी.के.कर	अधिकारी सर्वेक्षक
2	आर.एम. महापात्रा	अधिकारी सर्वेक्षक
3	टी. महाराणा	अधिकारी सर्वेक्षक
4	डी.एस.मेहर	अधिकारी सर्वेक्षक
5	एस.बाबू	अधिकारी सर्वेक्षक
6	पी. प्रेम कुमार	अधिकारी सर्वेक्षक
7	एम. पार्वतीशम	अधिकारी सर्वेक्षक
8	ए.के.रथ	अधिकारी सर्वेक्षक

9	आर.खंडई	अधिकारी सर्वेक्षक
10	एन.बी. स्वामी	अधिकारी सर्वेक्षक
11	एल.के. फरासी	अधिकारी सर्वेक्षक
12	सत्सभामा त्रिपाठी	स्थापना एवं लेखा अधिकारी
13	बैश्नव बैहरा	अधिकारी सर्वेक्षक
14	एस.सी. दत्ता	अधिकारी सर्वेक्षक
15	एस. ब्रहमाजी	अधिकारी सर्वेक्षक
16	अमोद श्रीवात्सवा	अधिकारी सर्वेक्षक
17	मोहम्मद अलीउद्दीन	अधिकारी सर्वेक्षक
18	पी.सी. बोरोले	अधिकारी सर्वेक्षक
19	पी.डी. कुमार	अधिकारी सर्वेक्षक
20	पी. जेना	अधिकारी सर्वेक्षक
21	एम.के.आर.पिल्लै	अधिकारी सर्वेक्षक

क्रम सं	**ग्रुप 'बी' एवं ग्रुप 'सी' अराजपत्रित श्री/श्रीमती**	**पदनाम**
1	ई. ओबुलेश	मानचित्रकार
2	सत्यभामा त्रिपाठी	मानचित्रकार
3	सी.आर.सी.रेड्डी	एम.टी.डी
4	वल्लि कल्याणी	उच्च श्रेणी लिपिक
5	बी. राम कृष्णा	उच्च श्रेणी लिपिक

क्रम सं	**ग्रुप 'बी' एवं ग्रुप 'सी' अराजपत्रित**	**पदनाम**
1	एम. यादी रेड्डी	सहायक
2	पी.के. प्रतिभा	सहायक
3	एम. बंगारी नायडु	उच्च श्रेणी लिपिक
4	एन. भद्रु	एम.टी.डी

हिन्दी सप्ताह समारोह

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के हैदराबाद स्थित कार्यालय हर वर्ष हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं हिन्दी कार्यशाला तथा हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन सामूहिक रूप से करते हैं। इस बार आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के निदेशक तथा राजभाषा कार्यान्वियन समिति के अध्यक्ष कर्नल एस.श्रीधर राव ने इस उत्तरदायित्व को स्वीकारते हुए तुरंत अगस्त 2014 को एक बैठक बुलाने का आदेश दिया जिसमें चार अर्ध दिवसीय हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, व्याख्यानकर्त्ताओं एवं राजभाषा हिन्दी से संबंधित प्रतियोगिताओं के विषय में तत्पश्चात 26 सितंबर 2014 को हिन्दी दिवस के समापन समारोह मनाने के संबंध में निर्णय लिया। इन सबके आयोजन में, विभिन्न उत्तरदायित्व को इस निदेशालय के अधिकारीगण व कर्मचारियों को सौंपा गया।

इस कार्यक्रम के प्रथम चरण के रूप में दिनांक 2-09-2014 को हिन्दी कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस संदर्भ में परिसर में स्थित कार्यालयों के प्रमुख उपस्थित थे। मंच पर आसीन गणमान्य अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलन के साथ हिन्दी कार्यशाला का उद्घाटन किया गया। इस समारोह में सबका स्वागत करते हुए प्रशिक्षणार्थ उपस्थित अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए निदेशक महोदय ने उन सबका अभिनन्दन किया।हिंदी कार्यशाला के प्रवक्ता तथा भाग लेने वाले अभ्यर्थियों का परिचय निम्नानुसार है।

क्रम सं	**दिनांक**	**कार्यक्रम**	**व्याख्यानकर्ता का नाम**	**व्याख्यान का विषय**
1	02.09.2014	I कक्षा 10.30 से 11.45 तक	श्री देव सिंह मेहर अधिकारी सर्वेक्षक, आं.प्र. भू.स्था आं केन्द्र	राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976, क्षेत्रों का वर्गीकरण।
2	02.09.2014	II कक्षा 11.45 से 13.00 तक	कुमारी डॉ के. कोकिला, हिंदी प्रोफसर,सी. ई. एफ. एल. हैदराबाद	राजभाषा नीति कार्यान्वियन।
3	03.09.2014	I कक्षा 10.00 से 11.15 तक	श्री एस.बी. एस. यादव, इलेक्ट्रानिकी अभियंता भौ.सू.प और सु.स. निदेशालय	हिंदी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहन योजनाएं
4	03.09.2014	II कक्षा 11.30 से 12.45 तक	श्री अजय सिंह,अधिकारी सर्वेक्षक, भौ.सू.प और सु.स. निदेशालय	सामान्य प्रकार की टिप्पणियां।

5	04.09.2014	I कक्षा 10.00 से 11.15 तक	श्री. एन.बी.स्वामी, अधिकारी सर्वेक्षक, आं. प्र. भू.स्था.आं.केंद्र	आवेदन प्रारूप और पारिभाषिक शब्दावली
6	04.09.2014	II कक्षा 11.30 से 12.45 तक	श्री विद्यासागर, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, भा.सर्वे.एवं मान. संस्थान	मूल्यांकन, परिचर्चा

अभ्यर्थियों की सूची

I. आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद

1. श्रीमती रजिया बेगम, अवर श्रेणी लिपिक
2. श्री. पी.के.लुहा, मानचित्रकार
3. श्रीमती वी.सूर्यप्रभा,मानचित्रकार
4. श्रीमती एम. सबिता, प्रवर श्रेणी लिपिक

II. भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्था, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद

1. श्री.भरत चन्द्र साहू,अधिकारी सर्वेक्षक
2. श्री.विनोद कुमार, सर्वेक्षक
3. श्री.रहमत पाशा,उ.श्रे .लि
4. श्री.रामअप्पाराव, अ.श्रे.लि

III. भौगोलिक सूचना पद्धति एवं सुदूर संवेदन निदेशालय,

1. श्री.एन.पी.शाही, अधिकारी सर्वेक्षक भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद
2. श्री.आई.कृष्णा राव, अधिकारी सर्वेक्षक
3. श्री.आनंद सागर मेडिकोंडु, सर्वेक्षक
4. श्री.सी.एच.अब्राहम, मानचित्रकार ग्रेड-III

IV. महाराष्ट्र एवं गोवा भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, (हैदराबाद स्कन्ध)

1. श्री.एम.वासुदेव,अधिकारी सर्वेक्षक
2. श्रीमती.सी.रमा ज्योति, मानचित्रकार डि-I
3. श्री.ए.श्रीनिवास,सहायक
4. श्री.एम.प्रसाद राव,उच्च श्रेणी लिपिक

<u>V. मुद्रण क्षेत्र , भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद</u> 1. श्रीमती पी.शान्ता कुमारी , सहायक 2. श्री.डी.वेंकटा रमणा,अवर श्रेणी लिपिक
<u>VI . दक्षिण मुद्रण वर्ग , भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद</u> 1. श्री.के.हनुमंतराव, सहायक प्रबंधक 2. श्री.एल.वी.एस.राजू,के. रिप्रोग्राफर 3. श्रीमती सूर्य कुमारी, रिटचर ,फोटो ग्रेड-II 4. श्री नर बहादुर, अवर श्रेणी लिपिक 5. श्री.बी.बाबुराव,अवर श्रेणी लिपिक

अपने संक्षिप्त भाषण में भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान के अपर महासर्वेक्षक,मेजर जनरल आर.सी.पाढ़ी ने हिन्दी कार्यशाला के लिए शुभकामनाएं और हर्ष व्यक्त किया, उन्होंने कहा कि जिस प्रकार के कदम हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए जा रहे हैं उससे हिन्दी भाषा का विकास अवश्य होगा । विभिन्न क्षेत्र में अर्थात 'क' 'ख' एवं 'ग' क्षेत्रों में प्रयोग हो रहे हिन्दी के अनेक प्रारूपों के अच्छे-बुरे का वर्णन किया और दिक्कतों के बावजूद हिन्दी में काम करने की प्रेरणा को उजागर करते हुए अधिक से अधिक हिन्दी राजभाषा को बढ़ावा देने में सभी के योगदान की आवश्यकता समझाई । भौगोलिक सूचना पद्धति एवं सुदूर संवेदन निदेशालय के निदेशक श्री एस. वी., सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि शब्दानुवाद के स्थान पर भावानुवाद पर ध्यान देना चाहिए । भाव स्पष्ट करना ही अनुवाद का मुख्य उद्देश्य है । अन्य निदेशालयों के अधिकारीगणों ने भी इस बात पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभ कामनाऍ व्यक्त की ।श्रीमती ई.मालिनी , क.हिन्दी अनुवादक के धन्यवाद प्रस्ताव के उपरांत जलपान के साथ समारोह संपन्न हुआ । तदुपरांत कक्षाएं चलाई गई ।

इसी संदर्भ में दिनांक 02-09-2014 से 05-09-2014 तक विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जो निम्नानुसार है । निम्नलिखित में सुलेख प्रतियोगिता को छोड़कर शेष सभी प्रतियोगिताओं में हिंदी-भाषियों व हिन्दीतर भाषियों के लिए अलग-अलग से प्रथम,द्वितीय तथा दो प्रोत्साहन पुरस्कार रखे गए ।

क्रम सं	दिनांक व समय	प्रतियोगिता का नाम और विवरण	संचालनकर्ता/निर्णायक
1	02.09.2014 15:00 से 16:00 तक	निबंध प्रतियोगिता (अधिकतम 500 शब्दों का किसी एक विषय पर होना चाहिए) 1. पर्यावरण 2. देश और विदेश मे हिंदी का प्रचार और प्रसार	1.श्री बी.एच.राव, अधीक्षक सर्वेक्षक, आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र 2.श्री अजय सिंह, अधिकारी सर्वेक्षक, भौ. सू.प.एवं सु.सं निदेशालय
2	03.09.2014 15:00 से 16:00 तक	हिंदी / अंग्रेजी में अनुवाद (विषय कक्षा में दिया जाऐगा)	1.श्री वी.विद्यासागर, वरिष्ट हिंदी अनुवादक, भा. स. एवं मा. संस्थान 2.श्रीमती शैलबाला खंडुरी, मानचित्रकार, आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र
3	04.09.2014 15:00 से 17:30 तक	स्वतःस्फूर्त भाषण (विषय कक्षा में दिया जाएगा) (प्रत्येक सहभागी को अपने विचार व्यक्त करने के लिए 5 मिनट का समय दिया जाएगा ।)	1.श्री एस.बी. एस. यादव, इलेक्ट्रानिकी अभियंता, भौ सू.प.एवं सु.सं निदेशालय 2.श्री सी.एच.वी.एस.एस.प्रसाद, अधिकारी सर्वेक्षक, मुद्रण क्षेत्र
4	05.09.2014 15:00 से 16:00 तक	हिंदी में पत्र लेखन हिंदी में कार्यालयीन पत्र लिखना है । (विषय कक्षा में दिया जाएगा)	1.श्री डी. एस.मेहर, अधिकारी सर्वेक्षक, आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र 2.श्री आर. सी. सुन्दरीयाल, तकनीकी सहायक, दक्षिणी मुद्रण वर्ग
5	05.09.2014 16:00 से 16:30 तक	श्रुतलेखन ग्रुप सी (पूर्ववर्ती ग्रुप ‘डी’ के लिए)	1.श्री बलराम स्वामी, अधिकारी सर्वेक्षक, आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र 2.श्रीमती प्रसन्न लक्ष्मी,क.हि.अुन., भौ सू.प.एवं सु.सं निदेशालय 3.श्रीमती ई.मालिनी,क.हिं. अनु., आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र
6	05.09.2014 16:30 से 17:00 तक	सुलेख ग्रुप सी (पूर्ववर्ती ग्रुप ‘डी’ के लिए)	1.श्रीमती एम. शैलजा, आशुलिपिक, आ.प्र.भू .स्था .आं.केन्द्र 2.श्री मोहम्मद साहब, उ.श्रे.लि, म एवं गो.भू.स्था.आं.केन्द्र (हैदराबाद स्कन्ध)

हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह

भारतीय सर्वेक्षण विभाग के सभा भवन में दिनांक 26-09-2014 को आयोजित हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध कलाकार, चित्रकार एवं कवि श्री नरेन्द्र राय ‘नरेन’

उपस्थित हुए । कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शैलबाला खडूंरी एवं श्रीमती ई.मालिनी, क. हिन्दी अनुवादक द्वारा किया गया । पुष्पगुच्छ के साथ सभी गणमान्यों के स्वागत के बाद सभी अधिकारियों द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया । प्रार्थना के उपरांत सबका हार्दिक स्वागत करते हुए श्रीमती शैलबाला खंडूरी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया ।

मुख्य अतिथि द्वारा निम्नलिखित राजभाषा गृह-पत्रिकाओं का विमोचन किया गया ।

1. आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र - **कलाकल**
2. भौगोलिक सूचना पद्धति एवं सुदूर संवेदन निदेशालय - **पुष्पांजलि**
3. भारतीय सर्वेक्षण एवं मानचित्रण संस्थान - **प्रतिबिंब**
4 दक्षिण मुद्रण वर्ग - **प्रेरणा**

मुख्य अतिथि श्री नरेन्द्र राय ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए सरकार कई योजनाएं बना रही है लेकिन उन पर अमल नहीं हो रहा है । आज हमारा कर्तव्य बनता है कि हम इन योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध रहें । मुख्य अतिथि ने वास्तव में एक प्रतिष्टित कवि होने के कारण अपनी सारगर्भित कविताओं, गीत , गज़लों का सस्वर पाठ कर सभागृह को काव्य सागर में डुबो दिया ।

मुख्य अतिथि द्वारा हिन्दी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। तदुपरांत निदेशक, आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र द्वारा मुख्य अतिथि व प्रतियोगिताओं की निर्णायक मंडली को स्मृति - चिन्ह से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कर्नल एस. श्रीधर राव को स्मृति-चिन्ह प्रदान कर गौरवान्वित किया।

विजेताओं की सूची

क्रम सं	प्रतियोगिता के नाम	हिंदी भाषी	हिंदीतर भाषी
1	निबंध	I. श्री नीलम कुमार, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – प्रथम पुरस्कार 2. श्रीमती शैलबाला खंडूरी, आं.प्र.भू स्था आं.केंद्र – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3. श्री एम.रामकृष्ण –द.मु.वर्ग 4. श्री शेख मोम्मद साहब –महा. एवं गो. भू स्था आं. केंद्र	1. श्री टी.महारणा - आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – प्रथम पुरस्कार 2. श्री एम. राकेश - आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3. श्री एन. सत्यप्रसाद - महा. एवं गो. भू स्था आं. केंद्र 4. श्रीमती एम. सबिता - आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र
2	हिंदी/ अंग्रेजी में अनुवाद	I. श्री नीलम कुमार, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – प्रथम पुरस्कार	1. श्री एन.रामकृष्ण –द.मु.वर्ग– प्रथम पुरस्कार

		2. श्री नीतीश्वर प्रसाद शाह, भा.मा. एवं प्र. सं– द्वितीय पुरस्कार	2. श्री. ए.शैलेष - आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3.श्रीमती जे.वी.एस.लक्ष्मी- भौ सू.प.एवं सु.सं निदेशालय 4.श्री शेख मोम्मद साहब –महा. एवं गो. भू स्था आं. केंद्र
3	स्वतःस्फूर्त भाषण	I. श्री नीलम कुमार, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र / श्रीमती शैलबाला खंडूरी, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – प्रथम पुरस्कार 2. श्री एस. के मोम्मद साहब,महा. एवं गो. भू स्था आं. केंद्र -द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3. श्री एम. रामकृष्णा – द.मु.वर्ग 4. श्री जीतेंद्र डोरा – द. मु. वर्ग	I. श्री डी. आर. एस. प्रसन्न कुमार, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र –प्रथम पुरस्कार 2. श्री टी. महाराणा आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र -द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3. श्री एम.विजय कुमार - आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र 4. श्री सी.अनिल कुमार – आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र
4	हिंदी में पत्र लेखन	I. श्री नीलम कुमार, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – प्रथम पुरस्कार 2. श्रीमती शैलबाला खंडूरी, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – द्वितीय पुरस्कार	1 श्रीमती एन.वी. कल्याणी, आं. प्र. भू स्था आं. केंद्र - प्रथम पुरस्कार 2. श्रीमती पी. के. प्रतिभा, आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3. श्री एम.रामकृष्ण –द.मु.वर्ग 4. श्रीमती एम. सबिता आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र
5	श्रुतलेखन	I. श्री बी.के. धावने, द. कु. व– प्रथम पुरस्कार 2. श्री एम.जी. बदकी, द. मु. व – द्वितीय पुरस्कार	1 श्री चिन्ना कोंडैय्या.आं. प्र. भू स्था आं. केंद्र - प्रथम पुरस्कार 2. श्री एस. येसोब, महा. एवं गो.भू स्था आं. केंद्र – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 3.श्री रमेश बाबू,आं.प्र.भू स्था आं. केंद्र

6	सुलेख	I. श्री बी.के. धावने,द.मु.व.– प्रथम पुरस्कार 2. श्री एम.जी. बदकी, द. मु. व – द्वितीय पुरस्कार सांत्वना 1. श्री चिन्ना कोंडैय्या. आं. प्र. भू स्था आं. केंद्र 2. श्री एस. येसोब, महा. एवं गो. प्र.भू स्था आं. केंद्र

तत्पश्चात श्री प्रसन्नकुमार, सहायक सर्वेक्षक ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। जलपान के साथ हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह संपन्न हुआ।

मनोरंजन क्लब का वार्षिकोत्सव

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र के मनोरंजन क्लब का वार्षिकोत्सव दिनांक 30-06-2015 को सम्मेलन कक्ष में भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोरंजन क्लब के अध्यक्ष कर्नल एस. श्रीधर राव, निदेशक, आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र ने की। इस अवसर पर मंच पर उपाध्यक्ष श्री. बी. एच.राव, अधीक्षक सर्वेक्षक एवं श्री के.के. गुप्ता, अधीक्षक सर्वेक्षक भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम के आरंभ में दिवंगत सदस्यों को श्रदधांजली अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात अध्यक्ष महोदय ने मनोरंजन क्लब के सचिव श्री. डी.आर.एस. प्रसन्न कुमार से वर्ष 2013-14 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आग्रह किया, जिसे उन्होंने प्रस्तुत किया और बाद में 2014-15 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी जिसे आम सहमति से पारित किया गया। कोषाध्यक्ष श्री लक्ष्मण कुमार ने वर्ष 2014-15 का लेखा- जोखा प्रस्तुत किया जिसे करतल ध्वनि के साथ पारित कर दिया गया।

सचिव श्री प्रसन्न कुमार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि केन्द्रीय मनोरंजन क्लब की प्रतियोगिताओं एवं टी.टी.टी. ए परीक्षाओं के कारण आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केंद्र में आयोजित की जाने वाली खेल कूद प्रतियोगिताओं को समय में पूरा नहीं किया जा सका किन्तु अध्यक्ष महोदय के आदेशानुसार आम सभा के आयोजन के पूर्व सभी प्रतियोगिताओं को संपन्न कर लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि क्लब के सदस्यों के

सहयोग एवं सही मंशा के कारण ही हम अपने क्लब के मृतक सदस्यों के परिवारों को सहायता राशी उपलब्ध कर पाए। प्रत्येक सदस्य ने रू.100/- की सहयोग राशि का सहयोग किया।

वर्ष 2014-15 मे निम्नलिखित व्यक्तियों को सहयोग राशि प्रदान की गई ।

1. श्री पी.वी.वी. किशोर चारी
   सुपुत्र स्व. पी. वेंकटेश्वरलु — रू. 24,600/-
2. श्रीमती टी.मरियम्मा
   पत्नी स्व. टी. जोसेफ — रू. 24,600/-
3. श्रीमती त्रेजम्मा
   माता स्व. सुनीता गोपु — रू. 24,500/-

वर्ष 2015-17 के कार्यकारिणी सदस्य निम्न है

1. सचिव	श्री नीलम कुसार
2. संयुक्त सचिव	श्रीमती सी. प्रवीणा, श्री आर.वी.रघु
3. सांस्कृतिक सचिव	श्रीमती बी.एस.वी. वरलक्ष्मी
4. क्रीड़ा सचिव	श्री. अशफाख अहमद
5.सहायक क्रीड़ा सचिव	श्री. वी.गोपाल राव
6.पुस्तकालयाध्यक्ष	श्री. सी.एच. रामलिंगम
7.सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	श्रीमती शैलबाला खंडूरी

कोषाध्यक्ष

श्री बी. रामकृष्णा

संगठनकर्ता सचिव

श्री. बी. सुरेश

ग्रुप 'सी'(पूर्व ग्रुप 'डी')

प्रतिनिधिगण

श्री सुवार्तय्या

श्री पी.सी.कोंडय्या

एम.टी.टी. प्रतिनिधि

श्री. सी.आर.सी.रेड्डी

श्री एम.यादी रेड्डी

लेखा परीक्षक

श्री. एम लक्ष्मण कुमार

आम सभा ने नयी कार्यकारिणी का हर्ष से स्वागत किया एवं करतल ध्वनि से उत्साहवर्धन किया ।

मनोरंजन क्लब के कार्यकारणी सदस्यों ने 26-06-15 को एक प्रीति-भोज आयोजित करने का निर्णय लिया और उसे अक्षरशः कार्यान्वित भी किया । सभी ने प्रीति - भोज का आनंद उठाया । प्रीति -भोज के आयोजन के लिए आम सभा ने कार्यकारिणी सदस्यों की भूरी-भूरी प्रशंसा की ।

एक छोटे चाय के अन्तराल के पश्चात आम सभा में वर्ष 2015-17 के लिए चुनाव आयोजित किया गया । सचिव पद के लिए दो सदस्य आगे आए (i)   श्री. वी. सुरेश कुमार (ii) श्री नीलम कुमार, चुनाव अधिकारी श्री. के.के.गुप्ता ने लोगों से हाथ उठाकर वोट देने को कहा, इस प्रकार वोटों की गिनती में श्री नीलम कुमार को 80 वोट मिले और श्री. वी. सुरेश कुमार को मात्र 10 वोट । श्री नीलम कुमार को करतल ध्वनि के मध्य वर्ष 2015-17 के लिए मनोरंजन क्लब का सचिव घोषित किया गया । अन्य कार्यकारिणी सदस्यों को आम सहमति से चुन लिया गया ।

अध्यक्ष महोदय ने सभी विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए और अपना संदेश प्रस्तुत किया । अपने संदेश में उन्होंने विजेताओं को बधाई दी एवं नयी कार्य कारिणी को शुभकामनाएँ दी ।जल-पान वितरण के पश्चात सचिव श्री डी. आर. एस. प्रसन्न कुमार के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम को विराम दिया गया ।

मनोरंजन क्लब द्वारा आयोजित किए गए खेल

कैरम	टेबुल टेनीस	शटल	वॉलि बाल	रस्साकशी	धीमी साइकिलिंग	संगीत युक्त कुर्सी दौड़-एक खेल	क्रिकेट	स्पीड वॉकिंग
पुरुष सिंगल्स महिला सिंगल्स मिक्सड डबल्स	पुरुष सिंगल्स पुरुष डबल्स	पुरुष सिंगल्स महिला सिंगल्स मिक्सड डबल्स	पुरुष	पुरुष	पुरुष	महिला	पुरुष	<40 & >40

वर्ष 201 4 -15 के दौरान केन्द्रीय मनोरंजन कलब स्पोर्टस से प्राप्त इस निदेशालय के प्रतिष्ठा एवं सम्मान

कैरम			
खेल	**प्रथम पुरस्कार**	**द्वितीय पुरस्कार**	
पुरुष सिंगल्स	बालाजी राठौड़	एन.शशी किरण	
महिला सिंगल्स	जी. शीला रानी	एस.के. मीना	
पुरुष डबल्स	पी. रविकांत एवं बालाजी राठौड़	डी. आर. एस. प्रसन्न कुमार एवं वयी. के. राकेश कुमार	
टेबुल टेनीस			
पुरुष सिंगल्स	डी. रवि बाबु	सय्यद इदरिस	
पुरुष डबल्स	डी. रवि बाबु एवं ओ. प्रवीण कुमार	एस.शंती भूषण राव एवं एस. जगन मोहन	
शटल			
पुरुष सिंगल्स	एन. अनिल कुमार	ओ. प्रवीण कुमार	
पुरुष डबल्स	एन. अनिल कुमार एवं एम. युसुब	बी. रागरत्नम एवं एन. एफ. वेदनायकम	
धीमी साइकिलिंग			
पुरुष	सय्यद इदरिस	अशफाख अहम्मद	
संगीत युक्त कुर्सी दौड़-एक खेल			
महिला	बी. वी. एस. वरलक्ष्मी	सी. प्रवीणा	
वॉलि बाल			
पुरुष	विजेता	प्रतियोगिता में द्वितीय	
	आर.के.फरासी अश्फाख अहम्मद डी.रवि बाबु एस. शांति भूषण राव वि. गोपाल राव एम. सुवार्तय्या पी.सी.कोंडय्या	एम. रोकश के. ओंकार स्वामी डी. राममोहन राव बी. नागरत्नम एन. शशि किरण ओ. प्रवीण कुमार एम. युसुब	

पुरुष	**विजेता क्रिकेट**	**विजेता रस्साकशी**	
	सय्यद इदरिस सय्यद मोज़म ओ. प्रवीण कुमार एम. युसुब वि. गोपाल राव सय्यद मोइजुद्दीन एम. मल्लेश रमेश बाबु विजय प्रभाकर एस.बाबु एस. रवि	एम. युसुब वी. सुरेश एम. सुवार्तय्या सी. गेड़म एम. विजय कुमार सय्यद मोइजूद्दीन रमेश बाबु सी. बाबु मिलिंद कुमार	
स्पीड वॉकिंग - 40 साल से कम आयु वालों के लिए			
पुरुष	एम. रमेश बाबु	सय्यद इदरिस	
स्पीड वॉकिंग - 40 साल से अधिक आयु वालों के लिए			
पुरुष	एम. विजय कुमार	एस. वी. चक्रधर राव	

<u>स्मृति - शेष</u>

<u>स्व.श्री पी. वेंकटेशवरलु, पटल चित्रक ग्रेड-II</u>

जन्म - तिथि	:	02-06-1960
विभाग में भर्ती होने की तिथि	:	01-01-1993
स्वर्गवास	:	17-10-2014
परिवार	:	इनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे हैं।

<u>स्व. कुमारी वी. सुनिता गोपु, मानचित्रकार ग्रेड़ -II</u>

जन्म - तिथि	:	05-11-1972
विभाग में भर्ती होने की तिथि	:	26-06-1995
स्वर्गवास	:	21-12-2014

<u>स्व.श्री.टी.जोसेफ, खलासी</u>

जन्म - तिथि	:	19-04-1965
विभाग में भर्ती होने की तिथि	:	26-07-1993 01-03-1997 से नियमित भर्ती
स्वर्गवास	:	26-10-2014
परिवार	:	इनके परिवार में पत्नी के अलावा तीन बच्चे हैं।

इनके आकस्मिक निधन पर आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आँकड़ा केन्द्र के कर्मचारियों को गहरा आघात पहुँचा और सभी ने इनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की एवं इनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दो मिनट का मौन रखा।

उनके परिवारों की तत्काल सहायता के लिए पूरे आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आँकड़ा केन्द्र के परिवार ने क्रमशः रू.24600/- ,रू 24500 /- एवं रू.24600 /- का सहयोग दिया।

सेवा–पंजी का अंकीयकरण

(लेखा अनुभाग द्वारा)

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र के सभी कर्मचारियों के सेवा-पंजियों का अंकीयकरण कर दिया गया। इस प्रक्रिया में प्रत्येक पृष्ठ अलग- अलग करके स्कैन किया गया। चार महीनों में पूरी सेवा-पंजियों का स्कैन कर, .pdf में प्रस्तुत किया गया। इस कार्य में, अनुभाग अधिकारी, पी. इमाम कासिम, अवर श्रेणी लिपिक एवं सी. अनिल कुमार, पटल चित्रक व ग्रुप 'डी' कर्मचारियों का बहुत बड़ा योगदान है।सेवा - पंजियों की अंकीय प्रति हर अधिकारी एवं कर्मचारियों को सी.डी में (.pdf में) बांटी जा चुकी है। इस प्रक्रिया से हर कर्मचारी संतुष्ठ है क्योंकि सेवा-पंजिका में उनके प्रमाण - पत्रों की प्रतियां, छुट्टियों का लेखा, पदोन्नति की तारीख आदि सारे विवरण मिलते हैं। इसके साथ- साथ, सेवा - निवृत्त अधिकारियों/ कर्मचारियों की सेवा-पंजिका का भी स्कैन कर लिया गया हैं।

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आँकड़ा केन्द्र के अधिकारियों / कर्मचारियों के बच्चे जिन्होंने शैक्षणिक निपुणता दिखाई है।

1. **कुमारी शेख अटछुकटला अलिफा बेगम**
   सुपुत्री एस. ए. रसूल, पटल चित्रक ग्रेड-II
   दसवीं कक्षा
   सी जी पी ए **10/10**
   मिनरवा पॅब्लिक स्कूल
   विशाखापट्टनम

सोचें और विचार करें

(मन्नु राम,अधिकारी सर्वेक्षक)

- विश्वास वह शक्ति है,
  जिससे अंधेरी दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।

- एक सफल व्यक्ति वह है,
  जो औरों द्वारा अपने ऊपर फेंके गए पत्थरों से
  एक मजबूत नींव बना सके।

- प्रतिभा महान कार्यों का आरंभ करती है।
  किंतु पूरा उनको परिश्रम ही करता है।

- चिन्ता करोगे,तो भटक जाओगे।
  चिन्तन करोगे, तो भटके हुए को राह दिखाओगे।

- दूसरों को सुनाने के लिए अपनी आवाज ऊँची मत करें,
  बल्कि अपना व्यक्तित्व इतना ऊँचा बनाएँ कि लोग स्वयं आपको सुनना चाहें।

- अपने अंदर अंहकार को निकाल कर स्वयं को हल्का कीजिए,
  क्योंकि ऊँचा वही उठता है जो हल्का होता है।

- संसार में कठिन कार्यों में एक है
  क्रोध पर विजय पा जाना।

आंध्र प्रदेश नूतन राजधानी “अमरावती” के निर्माण में भारतीय सर्वेक्षण विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका

(के.वी.रमण मूर्ति,अधिकारी सर्वेक्षक)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि हासिल करने जा रहा है । वो है नूतन आंध्र प्रदेश राजधानी “अमरावती” के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका ।

जून 2, 2014 से आंध्र प्रदेश राज्य को भारत सरकार ने कुछ राजनैतिक कारणों से और सुपरिपालन के लिए दो राज्यों में बाँटा।

पुनर्विभाजन के पहले आन्ध्र प्रदेश राज्य में तीन प्रांतीय क्षेत्र है । उनका नाम है तेलंगाना क्षेत्र, बंगाल की खाड़ी के पास स्थित तटीय आन्ध्र प्रदेश क्षेत्र में 10 जिलों के समागमन को “तेलंगाना राज्य” के नाम से नामकरण किया गया और भारत का यह 29 वाँ राज्य हो गया । इस तेलंगाना राज्य में जिलों के नाम है आदिलाबाद, निजामाबाद, करीमनगर, वरंगल, मेदक, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेहबूबनगर, नलगोंडा एवं खम्मम।

तटीय आंध्रप्रदेश क्षेत्र के 9 जिले हैं- श्रीकाकुलम्, विजयनगरम्,विशाखापट्टनम,पूर्वगोदावरी, पश्चिम गोदावरी,कृष्णा, गुंटूर, ओंगोल प्रकाशम और रायलसीमा क्षेत्र के 4 जिले- चित्तूर, कड़पा,कर्नूल,अनंतपूर के समागमन को ‘आन्ध्र प्रदेश’ राज्य नाम से नामीकरण किया गया ।

तेलंगाना राज्य में राजधानी हैदराबाद स्थित है और भारत सरकार ने 10 साल तक या आंध्र प्रदेश की राजधानी नगर बनाने तक हैदराबाद शहर से आंध्र प्रदेश के राज्य सरकार को प्रशासन करने के लिए इजाजत दे दी है और साथ में आंध्र प्रदेश सरकार को यथाशीघ्र राजधानी निर्माण करने की भी सलाह दी ।

आंध्र प्रदेश सरकार को भी हैदराबाद से प्रशासन करने में कुछ कठिनाइयाँ हो रही है । इसलिए आंध्र प्रदेश राज्य सरकार ने शीघ्र एक आधुनिक राजधानी निर्माण करने का निर्णय लिया और इस महान लक्ष्य को हासिल करने के शीघ्र कार्रवाई आरंभ कर दी । प्रथम स्तर पर नूतन राजधानी निर्माण   के लिए भौगोलिक रूप से आंध्र प्रदेश राज्य के 13 जिलों के बीच विजयवाड़ा शहर के समीप में 225 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को राजधानी नगर निर्माण के लिए चुना गया । यह प्रदेश विजयवाड़ा नगर के दक्षिण तट पर स्थित सुन्दर कृष्णा नदी का दूसरा तट जो नदी के दक्षिण भाग मे स्थित है और विजयवाड़ा, मंगलगिरी, गुंटूर, अमरावती शहरों के बीच में है । इस राजधनी क्षेत्र के पश्चिम भाग में अमरावती नगर है और इस स्थान का एक धार्मिक और ऐतिहासिक चरित्र है । यहाँ पर गौतम बुद्ध जी के प्रवचन देने और रहने के सबूत हैं और यहाँ काल चक्र में विभिन्न समयों पर चोला, पल्लव राजाओं ने इस अमरावती को राजधानी के रूप में उपयोग करने का इतिहास है । इसलिए नूतन आंध्र प्रदेश की नयी सरकार से नूतन में निर्मित होने वाली राजधानी को ‘अमरावती’ के नाम से नामीकरण किया है ।

नूतन राजधनी “अमरावती” के निर्माण के लिए हमारे भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा बने हुए नक्शे जो 1:25,000, 1:50000 के पैमाने पर थे उन्हें मास्टर प्लान/योजनाएँ बनाने के लिए प्रयोग किया गया। पूरे राजधानी नगर के सूक्ष्मीकरण प्रणाली एवं नगर निर्माण के लिए आंध्र प्रदेश सरकार ने 1:5000 पैमाने पर पूरे क्षेत्र का स्थलाकृतिक मानचित्र बनाने का निर्णय लिया और भारत सरकार की सहायता माँगी। भारत सरकार ने इस महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग को इस कार्य को सौंपा और हमारे विभाग के लिए भारतीय सर्वेक्षण विभाग को इस कार्य को करने के लिए आदेश दिए गए।

इस कार्य को आंरभ करने के लिए कुछ कंट्रोल पाईंटों की आवश्यकता होती है । 2-डैमन्शनल कंट्रोल पाईंट बनाने के लिए जी.पी.एस (ग्लोबल पोजिषनिंग सिस्टम) पद्धति और समुद्र तल से ॐचाइयाँ प्राप्त करने के लिए डिजिटल लेवलिंग/तलेक्षण पद्धति अपनाने का निर्णय लिया गया।

मुझे गर्व से कहना है कि हमारे विभाग द्वारा महान कार्य के फील्ड़ कार्य का आरंभ करने के लिए एवं जी.पी.एस पद्धति द्वारा सर्वेक्षण करने के लिए शिविर अधिकारी बनाकर भेजा गया। हमारे शिविर में कुल 26 कर्मचारी/ अधिकारी थे। हमारे भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा राष्ट्र के विभिन्न प्रदेशों पर निर्मित जी. सी. पी. लाईब्रेरी के अंतर्गत दो कंट्रोल पाईंटों का उपयोग करके पहले स्तर पर 12 कंट्रोल पाईंट बनाए गए हैं। इन 12 कंट्रोल पाईटों का उपयोग करके पूरे 225 वर्ग कि.मी क्षेत्र में अन्य 310 रोवर स्टशनों पर प्रेक्षण किया गया। इस कार्य (जी.पी.एस) के लिए करीब दो सप्ताह का समय लगा था और उस क्षेत्र में करीब 40॰- 45॰ सेंटीग्रेड़ तापमान में रहते हुए बड़ी लगन और ईमानदारी से इस कार्य को संपूर्ण किया है।

दूसरे स्तर पर, इस राजधानी क्षेत्र में डिजिटल लेवलिंग /तलेक्षण कार्य अभी जारी है जिनमें 23 अधिकारी /कर्मचारी काम कर रहै हैं। इनमें विशाखापट्टनम विंग की दो महिलाएँ भी शामिल है। लेवलिंग कार्य संपूर्ण होने के बाद इन कंट्रोल पाईंटों की सहायता से सेटेलाइट इमेजरी से मानचित्रण की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी और आंध्र प्रदेश की नूतन राजधानी ‘अमरावती’ के स्थालाकृतिक मानचित्र बनाकर सरकार को सौंपे जाएँगे।

इस प्रकार हमारा भारतीय सर्वेक्षण विभाग आंध्र प्रदेश की नूतन राजधानी के निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और मुझे आशा है कि भविष्य में भी हमारे भारतीय सर्वेक्षण विभाग राष्ट्र के निर्माण एवं प्रगति में हमेशा की तरह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और निभाता रहेगा।

अंत में मैं कहना चाहता हूँ कि जैसे ही एक एक बूँद पानी मिलाकर, एक महासागर बन जाता है, वैसे ही हम सभी लोग लगन मेहनत और ईमानदारी से काम करेंगे तो किसी भी बड़े कार्य को भी सफल रूप से पूर्ण कर सकते हैं। इसमें हमारा ज्ञान भी बढ़ेगा और हमारी भारतीय सर्वेक्षण विभाग और पूरे देश की प्रगति/ उन्नति होगी।

जय हिंद........जय भारतमाता.......... जय भारतीय सर्वेक्षण विभाग

सपनों का भारत

(शेक. मेहबूब पीरा,पटल चित्रक)

महात्मा गाँधी जी ने अपने सपनों के भारत के बारे में बताते हुए कहा था कि " मैं भारत की कामना करता हूँ जिसमें गरीब भी सोचते कि मैं एक आज़ाद भारतवासी हूँ । एक ऐसा भारत जिसमें अमीर- गरीब का कोई अंतर न हो । एक ऐसा भारत जिसमें सब एक समान रहें । एक ऐसा भारत जिसमें कोई अछूत नाम की चीज़ न हो, जिसमें स्त्री को पुरूष जैसे समान हक मिलें, ऐसा भारत जो दूसरे देशों से शांति निभाए, यही है मेरे सपनों का भारत ।

हम सब को इसी राह पर चलकर, इस सपने को साकार करना चाहिए । आज के अपने भारत को गाँधी जी के सपनों के भारत में बदलना चाहिए । यही हम सबका नैतिक कर्तव्य है ।

तो दोस्तों, चलो, हम सब ऐसे भारत का निर्माण करें ।

सच्ची लगन

(शेक. मेहबूब पीरा,पटल चित्रक)

जो मनुष्य अपने छोटे से छोटे काम में पूरा मन लगाता है, जो उस काम को पूरा करने में पूरी तरह सफल होता है । जिस आदमी का हर एक काम सफल है, उसका तो जीवन ही सफल है ।

जो मनुष्य अपने काम को छोटा कहकर छोड़ देता है, वह अपने आप को धोखा देता है । हर एक आदमी का काम ही बता देता है कि उसका चरित्र कैसा है । जो अपने काम को पूरे जोश से करता है वह जोशीला है । जो अपने काम को उत्साह से करता है वह उत्साही है । जो अपने काम को दुर्बलता से करता है वह दुर्बल है । दुर्वलता से काम करना पाप के बराबर है ।

नारी- तुम हो सबसे न्यारी

(शेक. मेहबूब पीरा,पटल चित्रक)

इतिहास के पन्नों में नारी के विभिन्न रूप अंकित है । प्राचीन काल से ही कवि और लेखक ने नारी को अपनी भावनाओं के माध्यम से आंका है । हमारी भारतीय संस्कृति के अनुसार हमारा देश पुरातन काल से ही पुरूष -प्रधान रहा है । नारी के अस्तित्व का महत्व नहीं के बराबर था ।

श्रीमती आशा रानी वोहरा ने अपने लेखों द्वारा स्त्री शिक्षा तथा समाज कल्याण और विशेष रूप में महिला कल्याण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । इस तरह नारी का स्तर डूबता उतरता आज की स्थिति तक आ पहुँचा है ।

प्राचीन काल में राजा – महाराजा के समय नारी को सिर्फ उपयोग की वस्तु समझा जाता था । उसे अधिकारों से वंचित रखा गया । समय बीतता गया और मध्यकाल में नारी को समाज का उपयोगी अंग समझा जाने लगा । राज- काज में उसे हाथ बंटाने का मौका मिला जिसका उदाहरण रज़िया बेगम है । आज नारी, हर क्षेत्र में पुरूषों से कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है । अबला कहलाने वाली स्त्री आज पुरूषों को कई क्षेत्रों में पछाड़ते हुए आगे निकल रही है । नारी, परिवार और समाज का आधार है ।

सच्चा मित्र

(शेक. मेहबूब पीरा,पटल चित्रक)

एक सच्चा मित्र वह है जो आपके प्रति वफादार हो । कोई जो आपके अच्छे कार्यों में और बुरे वक्त में आपका सहारा बने । वह जो आपका साथ दे । वह जो हमारी मदद करे परन्तु हमसे कुछ उम्मीद ही न रखता हो । सच्चा दोस्त न केवल वफ़ादार बल्कि भरोसेमंद भी होता है । एक सच्चा मित्र हमें कभी निराश नहीं करता । उसके साथ आप बहुत आराम से रह सकते हो । उसे आप अपने गहनतम रहस्य भी बता सकते हो । एक सच्चा मित्र आपको हमेशा समझता है । उससे आप आज़ादी से बात कर सकते हो । वह आपको असली स्वभाव से प्यार करता है ।वह आपसे झूठ नहीं बोलता और आपसे कुछ छिपाता भी नहीं वह आपके दुःख में भी साथ देता है । वह हमें सलाह और मार्गदर्शन भी देता है ।

स्वच्छ भारत अभियान

(संकलित) हिन्दी अनुभाग

यह एक राष्ट्र व्यापी सफाई अभियान है जिसे स्वच्छ भारत की कल्पना की दृष्टि से भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया । इस अभियान को अधिकारिक तौर पर राजघाट नई दिल्ली में 2 अक्तूबर 2014 को महात्मा गांधी की 145 जयंती पर प्रारंभ किया । भारत सरकार ने 2 अक्तूबर 2019 तक भारत को स्वच्छ भारत बनाने का उद्देश्य रखा है जो कि महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती होगी।

राष्ट्र - पिता महात्मा गांधी ने भारत को एक स्वच्छ भारत बनाने के सपने देखे उसको साकार करने में कठिन प्रयत्न किया । इस सपने को हकीकत में वदलने के लिए भारत सरकार ने इस अभियान को शुरू करने का फैसला लिया ।

भारत सरकार द्वारा व्यक्तिगत स्वच्छता और पर्यावरणीय स्वच्छता को लेकर इसके पहले कई सारे जागरूकता कार्यक्रम (जैसे पूर्ण स्वच्छता अभियान, निर्मल भारत अभियान आदि) प्रारंभ किए गए लेकिन इस तरह के अभियान अधिक प्रभावी साबित नहीं हुए ।इस अभियान का उद्देश्य है, लोगों को सफाई के प्रति जागरूक रखना, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई की व्यवस्था को अनुकूल बनाना, ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना, स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से समुदायों और पंचायती राज संस्थानों को निरंतर साफ-सफाई के प्रति जागरूक करना ,तरल कचरे को पुनः उपयोग करना, खुले में शौच की प्रवृत्ति को खत्म करना, अस्वस्थयकर शौचालयों को बहाने वाले शौचालयों में तब्दील करना, साफ-सफाई के संविधाओं के प्रति प्राइवेट क्षेत्रों की भागी दारी को सुगम बनाना आदि ।

इसका शुभारम्भ सरकारी कार्यालयों, स्कूल और कॉलेजों से किया गया जिसमें 30 लाख से भी बढ़कर कर्मचारियों, स्कूल, कॉलेज के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग हिस्सा लिया । शुभारंभ के दिन प्रधान मंत्री ने नौ हस्तियों के नामों की घोषणा की और उन्हें अपने क्षेत्र में सफाई अभियान को बढ़ाने और आम जनता को उनसे जुड़ने के लिए प्रेरित करने को कहा ।इस मिशन में प्रधानमंत्री द्वारा नामित किए गए नौ सदस्य थे , सलमान खान, अनिल अंबानी, कमल हासन, कॉमेडियन कपिल शर्मा, प्रियंका चोपड़ा, बाबा रामदेव, सचिन तेंडुलकर, शशि थरूर और प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक ‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ की पूरी टीम । इन हस्तियों को अगले 9 लोगों को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करने को कहा तथा ये श्रृंखला   तब तक चलेगी जब तक कि पूरे भारत में उसका यह संदेश न फैल जाए । इस अभियान के लिए प्रधानमंत्री द्वारा कई ब्रैंड एमबेस्डर्स का भी चुनाव किया गया था जिनको स्वच्छ भारत अभियान को अलग-अलग् क्षेत्रों में प्रारंभ और प्रोत्साहित करने की जिम्मेदारी थी । 8 नवंबर 2014 को उन्होंने कुछ और लोगों को इससे जोड़ा (मोहम्मद कैफ, सुरेश रैना, अखिलेश यादव, स्वामी रामभद्रचार्या , कैलाश खेर, राजू श्रीवास्तव, मनुशर्मा, देवी प्रसाद द्विवेदी और मनोज

तिवारी) और 25 दिसंबर 2014 को सौरव गांगुली, किरन बेदी, रामोजी राव, सोनल,मानसिंह और पद्मनाथ आचार्य आदि को स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनाया ।

कई दूसरे कार्यक्रम जैसे स्वच्छ भारत रन. स्वच्छ भारत ऐप्स, रियल टाईम मॉनिटरिंग सिस्टम, स्वच्छ भारत लघु फिल्म, स्वच्छ भारत नेपाल अभियान आदि इस मिशन के उद्देश्य को सक्रियता से समर्थन करने के लिए प्रारंभ और लागू किया गया । प्रधान - मंत्री ने आम जनता को इससे जुड़ने के लिए अनुरोध किया और कहा कि वे सफाई कर तस्वीर सोशियल मीडिया जैसे कि फेसबुक, टिव्टर व अन्य वेबसाइट पर डालें और अन्य लोगों को भी इससे जुड़ने के लिए प्रेरित करें जिससे इस तरह भारत एक स्वच्छ देश हो सकता है ।

शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत सभी 1.04 करोड़ घरों को 2.06 लाख सार्वजनिक शौचालय 2.5 लाख सामुदायिक शौचालय उपलब्ध कराना है । सामुदायिक शौचालय के निर्माण की योजना रिहायशी इलाकों में की गई है जहाँ पर व्यक्तिगत घरेलू शौचालय की उपलब्धता मुश्किल है । शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता कार्यक्रम को पाँच वर्षों के अंदर 2019 तक पूरा करने की योजना है । इसमें ठोस कचरा प्रबंधन की लागत लगभग 7,366 करोड़ रूपए है, 1828 करोड़ जन सामान्य को जागरूक करने के लिए है, 655 करोड़ रूपए सामुदायिक शौचलायों के लिए, 4165 करोड़ निजी घरेलू शौचालयों के लिए आदि ।

ग्रामीण क्षेत्रों को स्वच्छ बनाने के लिए 1999 में भारतीय सरकार द्वारा इससे पहले निर्मल भारत अभियान (जिसका पूर्ण स्वच्छता अभियान भी कहा जाता है) की स्थापना की गई थी लेकिन अब इसका पुर्नगठन स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण) के रूप में किया गया है, इसके लिए सरकार ने 11 करोड़ 11 लाख शौचालयों के निर्माण के लिए एक लाख चौंतीस हजार करोड़ की राशि खर्च करने की योजना बनाई है । ध्यान देने योग्य है कि सरकार ने कचरे को जैविक खाद् और प्रयोग करने लायक ऊर्जा में परिवर्तित करने की पहल की है । इसमें पंचायत, जिला परिषद, और पंचायत समिति की अच्छी भागीदारी है ।

ये अभियान केन्द्र मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा चलाया गया और इसका उद्देश्य भी स्कूलों में स्वच्छता लाना है । इस कार्यक्रम के तहत 25 सितंबर से 31 अक्तूबर 2014 तक केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय संगठन जहाँ कई सारे स्वच्छता क्रिया-कलाप आयोजित किए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा, इससे संबंधित महात्मा गांधी की शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य विज्ञान के विषय पर चर्चा, स्वच्छता क्रिया – कलाप (कक्षा में, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, मैदान, बगीचा, किचन शेड दुकान, खान पान की जगह इत्यादि) । स्कूल क्षेत्र में सफाई, महान व्यक्तियों के योगदान पर भाषण, निबंध प्रतियोगिता, कला, फिल्म, चार्च, चित्रकारी, तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता पर नाटक मंचन आदि । इसके

अतिरिक्त सप्ताह में दो बार साफ-सफाई अभियान चलाया जाना जिसमें शिक्षक, विद्यार्थी और माता – पिता सभी भाग लेंगे ।

इस तरह से हम कह सकते हैं कि 2019 तक भारत को स्वच्छ और हरा - भरा बनाने के लिए स्वच्छ भारत अभियान एक स्वागत योग्य कदम है ।

आंध्र प्रदेश भू स्थानिक आंकड़ा केन्द्र , हैदराबाद में   स्वच्छ भारत अभियान शुरु किया गया । अभियान को शुरू करने से पहले स्वच्छता की शपथ दिलाई । इसमें कहा गया, “ मैं शपथ लेता हूँ कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा । मैं शपथ लेता हूँ कि हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान कर स्वच्छता के लिए काम करूंगा । मैं ना गंदगी करूंगा, ना किसी और को करने दूंगा । मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा । मैं आज जो शपथ ले रहा हूँ, वह अन्य सौ लोगों से भी करवाऊंगा । मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा”।

शपथ लेने के पश्चात साफ - सफाई करने हेतु सभी स्कन्ध के प्रभारियों को अलग- अलग से स्थल चिन्हित किए गए जिसके अनुसार प्रभागाध्यक्ष अपनी टीम के साथ उस जगह को साफ करने में व्यस्त हो गए । कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने इसमें अभियान में मिल कर काम किया जिसके कारण पूरे वातावरण में उत्साह भरा रहा ।

यह सिलसिला आगे भी चलता रहा । सप्ताह के प्रति शुक्रवार अपराह्न 3.00 बजे से दो घंटे तक यह कार्यक्रम हमारे कार्यालय में सक्रिय है ।

रोगों का आमंत्रण है अप्राकृतिक भोजन

(डॉ. नीलम कुमार बिड़ला,अभिलेखपाल)

तेजी से बदलते इस सामाजिक परिवेश में फास्ट फूड का प्रचलन बढ़ने लगा है। स्वाद एवं समय की बचत के कारण यह भागती – दौड़ती जिंदगी का अनिवार्य अंग बन चुका है। परन्तु इसके तात्कालिक आकर्षण के पीछे कुछ खतरनाक पहलू भी हैं। इसी कारण फास्ट फूड के आदी होते जा रहे लोगों में कई प्रकार के रोग पनपने लगे हैं। चाऊमीन, मेगी, पित्ज़ा, बर्गर, पैटीज़, डिब्बा बंद भोजन एवं पेय पदार्थ को सामान्यतः फास्ट फूड की संज्ञा दी गई है। इनके कारण ही चावल, दाल, सब्ज़ी, रोटी जैसी खाने की सारी परम्परा, पुरानी एवं बीते युग की बात हो चुकी है। ग्लोबलाइज़ेशन एवं उदारीकरण के प्रभाव से प्रभावित भारतीय जन मानस की खान - पान की संस्कृति बदल गई है। अब फास्ट- फूड उनका स्टेटस सिंबल बन चुका है। समाज के तथाकथित उच्च एवं अभिजात्य वर्ग में यह सम्मानपूर्वक प्रतिष्ठित हो गया है, जिसका अंधानुकरण करने में समाज के अन्य वर्ग भी अपने आपको गौरान्वित अनुभव करते हैं। परिणामतः आज हमारे देश के हर बड़े होटल से लेकर ढाबे एवं छोटे- छोटे स्थानों पर इसका भरपूर प्रचलन चल पड़ा है।

इन दिनों फाइव स्टार होटलों के खाने की नकल प्रतिष्ठा एवं फैशन की बात- बन गई है। इसी बजह से फास्ट फूड हमारी संस्कृति में समाहित होता जा रहा है। यह आधुनिक भोजन स्वाद में भले ही अच्छे क्यों न हो परंतु इसके लंबे समय तक सेवन करने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही इनको सुंदर स्वादिष्ट एवं आकर्षित बनाने के लिए जिन तरीकों का प्रयोग किया जाता है वो के भी कम घातक नहीं हैं।ये फास्ट फूड दो प्रकार के हाते हैं शाकाहारी एवं मांसाहारी इन दिनों फास्ट फूड को स्वादिष्ट बनाने के लिए मांसाहारी चीज़ों की पर्याप्त मिलावटें होने लगी हैं। इससे इसका स्वाद बदल जाता है और बिक्री बढ़ जाती है। आजकल मिठाइयों एवं अन्य खाध पदार्थों में आंडे की मिलाबट आम हो गई है। सैंडविच, पराठों, कुल्चा, ब्रेड, केक आदि शुद्ध शाकाहारी भोजन माने जाने वाले भोज्य पदार्थ भी इससे अछूते नहीं है।यहाँ तक की चाय जैसे पेय पदार्थ को जायकेदार बनाने के लिए मांस के वर्क मिलाए जाने की खबर भी बीते दिनों काफी प्रचलित रही। ऐसे भोजन शाकाहारी प्रकृति के लिए अत्यन्त प्रतिकूल हैं और उनकी नैतिक, धार्मिक मान्यताओं के विरूद्ध है।

फास्ट फूड के क्षेत्र में जैव टैकनोलॉजी का जेनेटिक फूड्स का भी प्रचलन बढ़ने लगा है। इसके अंतर्गत शाक, सब्जी, फल, जीव- जन्तु आदि के ज़ीन को एक दूसरे में मिलाकर जीन- नियंत्रण खाद्य- वस्तुओं का निर्माण किया जाता है। इसके द्वारा खाद्य-पदार्थों को लंबे समय तक सुरक्षित एवं संरक्षित किया जाता है तथा विश्व के विभिन्न देशो में भेजा जाता है। जेनेटिक फूड्स के रूप में दूध पाउडर, आलू- चिप्स, बेबी फूड्स आदि अपने देश के बाजार में भारी मात्रा में मिलने लगे हैं।

अमेरिका में उत्पन्न सोयाबीन का 50% और मक्का का 25% जेनेटिक संरक्षित है । जेनेटिक फूड्स का उत्पादन इन दिनों प्रचुर मात्रा में हो रहा है परंतु यह कुछ समय के लिए लाभदायक होने के बावजूद कई प्रकार के रोगों को जन्म देने वाला है । अन्तर्राष्ट्रीय संस्था ग्रीन पीस के अनुसार इस प्रकार के खाद्य- पदार्थ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहे हैं ।

इसमें जेनेटिक संक्रमण का भय जगा रहता है । संभवतः इसी कारण फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों ने इन फूड्स पर प्रतिबंध लगा दिया है ।

अपने देश में पेय पदार्थों का भी एक बड़ा उद्योग है । ये पदार्थ अनेक ट्रेड नामों से बिकते हैं ।   एक सर्वेक्षण के अनुसार अपने देश में लगभग पाँच से सात हजार प्रकार के बोतल बंद ठंडे पेय एवं शरबत आदि का प्रयोग होता है । कोकाकोला, पेप्सी, लिम्का, मिरंडा, फेंटा आदि ट्रेड ब्राँड के पेय तो प्यास बुझाने के लिए स्टेटस सिंबल के रूप में अधिक बिकते हैं । चिकित्सा शास्त्रियों के अनुसार इसके अधिक सेवन तो पेट के रोग के बढ़ने की संभावनाएँ बढ़ जाती है ।इसके अलावा सॉस, अचार, मुरब्बे,रबड़ी, कुल्फी, रसगुल्ला आदि खाद्य पदार्थ के रेडीमेड़ मसाले भी बिक रहे हैं जिनसे चर्म रोग एवं एलर्जी की शिकायत मिलते लगी है ।

इंटर नेशनल फाउण्डेशन ऑफ नैचुरल हैल्थ एवं योग के डाक्टर एन.एस. अधिकारी ने फास्ट फूड को अप्राकृतिक आहार का रूप माना है । उनके अनुसार इसमें आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव होता है । इसके बावजूद इसके प्रचार-प्रसार को देखकर हर व्यक्ति आज भ्रमित हो रहा है, उसे इस चकाचौंध में यह पता नहीं चल पाता कि स्वाद के नाम पर जिस सामग्री को ग्रहण कर रहा है वह कितनी स्वास्थ्यप्रद है । संभवतः इतनी मानसिकता कर लाभ उठाकर यह उद्योग काफी फल-फूल का लाभ प्रोडक्टूस आर्डर नामक एक सरकारी संस्था ने एक विज्ञाप्ति जारी कर उल्लेख किया है कि हर एक व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के लिए अनुकूल आहार ग्रहण करना चाहिए, स्वाद के नाम पर नहीं ।

प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय खाद्य- संस्थानों ने ऐसे अप्राकृतिक भोजन से परहेज रखने पर बल दिया है । इनका कहना है कि फास्ट-फूड थोड़े आकर्षक होते हैं और स्वादिष्ट भी लेकिन ताजा न होने के कारण इनमें विटामिन और कैलोरी की गुणत्ता नष्ट हो जाती है । वसा प्रधान फास्ट –फूड से मोटे लोगों में काफी वृद्धि पायी गयी है । इसे हृदय रोग के साथ अन्य कई बीमारियों को जन्म देने वाला माना गया है । इसलिए अच्छा यही है कि उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य के लिए संतुलित आहार ग्रहण किया जाए ।

अतः हममें से प्रत्येक को फास्ट-फूड जैसी पाश्चात्य शैली की सर्वनाशी अनुकरण पद्धति से बचना चाहिए और प्राकृतिक आहार को अपनाकर सदा निरोगी एवं स्वस्थ बने रहना चाहिए ।

अच्छी आदत

(सी.एन.गेडाम,अधिकारी सर्वेक्षक)

एक बार एक मित्र ने पूछा कोई ऐसा उपाय बताओ जिससे जीवन में वृद्धि हो सके। दूसरे मित्र ने कहा जीवन बेहतर करने के लिए करना कुछ नहीं, बस झूठ बोलना, चोरी करना और जो भी मिले उसे धोखा देना। यह सब सरासर गलत व अनैतिक है ।

फिर सही क्या है और गलत क्या ? आज के पहले किसी को पता था ? सब लोग जानते हैं कि अच्छा क्या है और बुरा क्या है । हम सब अच्छा बनना चाहते हैं उसके लिए अच्छी किताबें पढ़ते हैं, धर्म और निजी विषयक ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। किसी को गुरू बनाते हैं। संयम करना, दीक्षा लेना ये सब करते हैं।

इन सबको हमें छोड़ना होगा। अच्छी बातों के बारे में जानने के बजाए अच्छी बातें करनी होगी और बुरी बातों की तरह अच्छी आदतें डालनी होंगी। बुरी बातों की तरह अच्छी बातों की भी सीमा नहीं होती।

सच बोलना है तो सच को जीवन में उतार लीजिए। झूठ नहीं बोलेंगे ,बेईमानी नहीं करेंगे, तब दूसरों को धोखा देना संभव नहीं होगा। बहानेबाजी की जरूरत भी नहीं रहेगी। एक आदत दूसरी सभी अच्छी आदतों का और बुरी आदत अन्य बुरी आदतों का विकास करती है । सही आदत से सही जीवन का विकास होता है जीवन की गुणवत्ता में सुधार आ जाता है।

मेरा भारत महान

(पि. चिन्ना कोन्डैय्या,खलासी)

अंग्रेजों की नीति थी Divide & Rule फूट डालो और राज करो। अब अंग्रेज तो चले गए, लेकिन उनकी नीति को हमारे देश के नेताओं ने अपना लिया है और उस पर अमल करते हुए देश को 29 राज्यों में विभाजित कर डाला। बहुत खून- खराबा भी हुआ परंतु इसमें न किसी आम आदमी और न किसी विशेष राज्य का भला हुआ। नेताओं ने भाई – भाई को आपस में लड़ाया, जो कल तक एक दूसरे के मित्र थे अब शत्रु हो गए हैं। आम आदमी आखिर कब समझेगा इन नेताओं की राजनीति। अगर वह समझ जाएगा तभी बनेगा सच्चा भारत, सही भारत, न रूकावट रहेगी, न कभी होगी हार। प्रत्येक क्षेत्र में भारत की विजय होगी, बनेगा मेरा भारत महान ।

बार कोड वाले पी.वी. सी पहचान-पत्रों की तैयारी

(आर.वी. रघु,सहायक सर्वेक्षक)

1. भारत के महासर्वेक्षक के सितम्बर 2014 के पत्रानुसार बार कोड वाले पी.वी.सी पहचान पत्रों की तैयारी के लिए कर्मचारियों के आकंड़े संग्रहित करने हेतु श्री के.के.गुप्ता, अधीक्षक सर्वेक्षक की अध्यक्षता में चार सदस्यीय एक समिति का गठन किया गया था।

(क) समिति का दायित्व , नोडल अधिकारी, पहचान- पत्र कोष्ट, टी. एन. पी एवं ए.एन.आई. जी.डी.सी चेन्नई से प्राप्त निर्धारित प्रारूप पर आंकड़े संग्रहित करना था।

(ख) समिति ने डी.ए.डब्ल्यू, विशाखापट्टनम समेत सभी स्कंधों/ अनुभागों को निर्धारित प्रारूप पर सूचना प्राप्त करते हेतु आदेश जारी किए।

(ग) आंकड़ों की समाप्ति तक, समय-समय पर स्पष्टीकरण आदि के मामले में समिति के अध्यक्ष, नोडल आधिकारी टी. एन. पी एवं ए.एन.आई. जी.डी.सी के साथ संपर्क में रहे।

2. बार कोड वाले पी.वी.सी पहचान पत्रों की तैयारी हेतु कर्मचारियों के आंकड़ों का संग्रहण।

(क) इस जी.डी.सी को दिए गए निर्धारित प्रारूप में स्टाफ के प्रत्येक व्यक्ति से आवश्यक आंकड़े संग्रहित करके एम.एस.एक्सैल फाइल में दर्ज किए गए।

कर्मचारियों से निम्नलिखित क्षेत्रों की सूचनाएं संग्रहित की गई।

1. नाम
2.पदनाम
3. कार्यालय का नाम
4. कार्यालय का पता
5. दूरभाष संख्या एस टी डी कोड सहित (कार्यालय)
6. जन्म तिथि
7. पहचान चिह्न
8. रक्त समूह
9. मोबाइल संख्या
10. रिहायशी पता (स्थानीय)

उपरोक्त आंकड़ो के अतिरिक्त प्रत्येक कर्मचारी के छाया चित्र जे पी जी फॉर्मेट में निर्धारित आकार एवं रेजोलुशन के अनुसार परिसर के भीतर लिए गए। जारीकर्ता अधिकारी एवं कर्मचारियों के हस्ताक्षरों को जी पी जी फॉर्मेट में स्कैन करके कंप्यूटर में रखा गया।

3. आई सी एम एस (आइडेंटिटी कार्ड मैनेजमेंट सिस्टम) के लिए एक ऑफ लाइन एच.टी. एम. एल प्रोग्राम एवं आंकड़े दर्ज करने हेतु भारतीय सर्वेक्षण विभाग के लिए एन. आई सी. चेन्नई द्वारा बनाई गई एस.ओ.पी. नोडल अधिकारी, टी. एन. पी एवं ए.एन.आई. जी.डी.सी से प्राप्त हुई। उपरोक्त एच.टी. एम. एल फाइल खोलने के लिए मोज़िल्ला फायर फौक्स ब्राउजर (33.0 और अधिक का वर्शन) का उपयोग किया गया।

इस जी डी सी के कर्मचारियों के पूरे आँकड़ें उपरोक्त एच टी एम एल फाइल में दर्ज करके और टी एक्स टी फॉर्मेट में भेज दिया गया। एक्सपोर्टेट टी एक्स टी फाइल इस जी डी सी में कार्यरत कर्मचारियों की सूची के साथ नोडल अधिकारी टी. एन. पी एवं ए.एन.आई. जी.डी.सी को पहचान पत्रों की तैयारी के लिए ई-मेल द्वारा प्रस्तुत की गई।

भारत के मजबूत कूटनीतिक संबंध और भौगोलिक प्रभाव

(एम.राकेश,अधिकारी सर्वेक्षक)

भारत स्वतन्त्रता के 69 साल के बाद भी अपने कूटनीतिक संबंध पूरी तरह से मजबूत कर नहीं पाया है । परन्तु 2014 में नई सरकार बनने के उपरान्त जमीनी हालात में काफी सुधार दिखाई पड़ता है । हमारे प्रधान- मंत्री का पहला विदेशी पर्यटन भूटान से प्रारम्भ हुआ । हलांकि भूटान एक छोटा देश होते हुए भी कूटनीतिक दृष्टि से भारत का एक अहम साझीदार है । नई सरकार पहले अपने पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध बनाना चाहती है । अब तक हमारी इस विफलता से ही चीन फायदा उठाता आ रहा है । चीन भारत को घेरने के उद्देश्य से पाकिस्तान आक्रमित कश्मीर, म्यांमार, बंगलादेश और श्रीलंका आदि देशों में अपने रक्षा अड्डे बनाने में लगा हुआ है ।

इस उपरोक्त संदर्भ में भारत सरकार न केवल पड़ोसी देश बल्कि सभी एशिया - खंड के देशों से कूटनीतिक संबंध मजबूत करने में पूर्ण रूप से निमग्न हुआ है बल्कि हमने बंगलादेश से कई वर्षों से चलती आ रही सीमा विवाद को भी सुलझाया । भूटान, श्रीलंका, म्यांमार, अफगानिस्तान, मालदीव्स, मंगोलिया, रूस, कजकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, उजबेकिस्तान, आदि देशों से अच्छे संबंध बनाने हेतु कई ठोस कदम उठाए । व्यापार, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान क्षेत्रों में भी आदान प्रदान के कई क्षेत्रों पर हस्ताक्षर किए ।

आज कूटनीतिक क्षेत्र में भारत शक्तिशाली देशों से भी काफी आगे बड़ चुका है । अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जापान, कोरिया, आस्ट्रेलिया, जर्मनी जैसे विकासशील देश भारत से संबंध को बढाने में रूचि दिखा रहे है । भारत में पिछले एक साल में विदेशी पूंजी 48% बढ़ी है । इससे यह प्रतीत होता है कि दुनिया का कोई देश अब भारत से अछूता नहीं रह सकता ।21 वीं सदी भारत की सदी होगी इसमें कोई दो राय नहीं है । आज कई देश भारत की UN में सदस्यता के विषय में अपना समर्थन जता चुके हैं । अब वह दिन दूर नहीं जब भारत UN का छठा स्थायी सदस्य बन जाएगा ।

भारत अपनी कुशल कूटनीति से अपनी प्रगति के मार्ग को सक्षम बना सकता है । आज हम पूरी दुनिया को आतंकवाद की समस्या पर एकजुट होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं । विश्व शान्ति कायम करना आज हमारा सबसे बड़ा नारा है । आंतकवाद पीड़ित देश ही नहीं बल्कि सारा विश्व आज इस भयानक समस्या का हल ढूढंने में लगा हुआ है । इस सदंर्भ में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण होगी और भारत विश्व को सही रास्ता दिखाने में कोई कमी होने नहीं देगा और अपनी सटीक नीतियों से विश्व - गुरू बनेगा । यही माँ भारती को हमारा सबसे बड़ा समर्पण होगा ।

गज़ल

(डॉ. नीलम कुमार बिड़ला,अभिलेखपाल)

I

सोच लिया कि हमने मंज़िल पा ली है,
खुश रहने की ये तरकीब निकाली है ।
गए दौर में जिसकी पूजा होती थी
वही शराफत नए दौर में गाली है ।
पीछा मेरा कोई बराबर करता है
दूर तलक यूँ सारा रस्ता खाली है ।
किसके हाथ रंगे हैं ,फूलों के खून से
दूर से आवाज ये आई, वो बागों का माली है ।
हरदम क्यों उखड़े- उखड़े से रहते हो
आदत **'नीलम** 'तुमने ये कैसी डाली है ।

II

हँस रहे हो आज जिनका अशियाना देखकर
कल जलोगे तुम उन्हीं का चहचहाना देखकर ।
ये तेरी नीयत पे है, आज़ाद रख या कैद कर
पंछी तो आएँगे नित-दिन, आबो-दाना देखकर ।
रंज है हमको भी अपने इश्क के हासिल पे यूँ,
हो दुखी मजदूर जैसे मेहनताना देखकर
यूँ तो अच्छी बात है दरियादिली भी दोस्तों
लेकिन चलना चाहिए हमको जमाना देखकर ।
दोस्ताना देखकर **'नीलम** ' शहर में आए थे
इस शहर से जा रहे हैं दोस्ताना देखकर ।